# आशा दिवस/आशा सम्मेलन

2010-11

## राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन
## राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई
## उत्तर प्रदेश लखनऊ

# आशा दिवस/सम्मेलन

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अर्न्तगत आशा योजना का शुभारम्भ दिनांक 23 अगस्त 2005 को किया गया था। प्रत्येक वर्ष दिनांक 23 अगस्त प्रदेश मे आशा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस कार्यक्रम के आयोजन के माध्यम से ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का आधार कही जाने वाली आशाओं को उनके कार्य के बारे में जानकारी दी जाती है तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं जिसमे चयनित आशाऐं प्रतिभाग करती हैं। साथ ही विगत वित्तीय वर्ष में किये गये कार्यों के आधार पर प्रत्येक विकास खण्ड से चयनित सर्वोत्तम आशा को पुरस्कार दिया जाना भी कार्यक्रम मे सम्मिलित है जिससे आशाओं का उत्साहवर्धन होता है।

इस सम्मेलन का उद्देश्य केवल आशाओं को सम्मानित करना ही नहीं अपितु उन्हें गणमान्य व्यक्तियों के उद्बोधन से प्रेरित करना भी होता है। ताकि स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं व कार्यक्रमों का लाभ जनता को मिल सके, क्योंकि आम जनता को स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी देने के साथ ही लाभ अर्जित कराने में आशाओं की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों/गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा स्टाल लगाकर विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं से सम्बन्धित लेखन सामग्री/संदर्भ सामग्री आदि के माध्यम से उपस्थित आशाओं तक जानकारी प्रदान की जाती है। सम्मेलन का एक प्रमुख उद्देश्य यह भी है कि जनपद की समस्त आशाओं को एक मंच पर लाकर उनके विचारों एवं अनुभवों का आदान प्रदान किया जाये तथा उनके समक्ष उनके कार्यों के सम्बन्ध में आ रही समस्याओं के लिए सामूहिक विचार विमर्श से उनका निराकरण किया जा सके।

23 अगस्त 2010 को आशा सम्मेलन पिछले वर्षों की भाँति इस वर्ष भी पूरे उत्साह से राज्य के समस्त जनपदों मे आयोजित किया गया। सम्मेलनों का प्रारम्भ सुदूर ब्लाकों से भारी संख्या में आयी आशाओं के पंजीकरण से हुआ तथा समस्त उपस्थित आशाओं को आशा किट प्रदान किये गये जिसमें एक फोल्डर मे कई प्रकार की प्रचार–प्रसार सामग्रियाँ एवं पैन, पैड इत्यादि सम्मलित थीं।

प्रचार–प्रसार सामग्रियों मे जनसंख्या नियन्त्रण, परिवार नियोजन, पोषण, राष्ट्रीय कार्यक्रमों से सम्बन्धित पैम्पलेट, जच्चा–बच्चा सुरक्षा अभियान से सम्बन्धित आई0ई0सी0 सामग्रियॉ, स्तनपान से सम्बन्धित पुस्तिका, टीकाकरण के चार मुख्य उद्देश्यों का पैम्पलेट, आशा योजना के कार्यान्वयन से सम्बन्धित सामग्री, टी.बी. निवारण, कुष्ठ निवारण, संस्थागत प्रसव, पोलियो, कन्या, भूण हत्या इत्यादि पम्फलेट व हैन्डबिल्स सम्मिलित किये गये। कई जनपदों में स्वयं सेवी संस्थाओं की तरफ से स्टॉल लगाये गये जिसके माध्यम से स्वास्थ्य

के क्षेत्र में विभिन्न जनपदों मे कार्यरत संस्थाओं ने अपने कार्यक्रमों की झलकियाँ प्रस्तुत कीं एवं रंग बिरगें पम्फलेट, ब्रोशोर्स, लीफलेटस एवं फोल्डरस वितिरित किये गये।

रजिस्ट्रेशन हेतु ब्लॉक वार कैम्प लागाये गये थे जिन पर ब्लॉक में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा समस्त प्रतिभाग कर रही आशाओं का पंजीकरण किया गया।

जनपदों मे सममेलन का उद्घाटन, राजनितिक प्रतिनिधियों , जिला पंचायत अध्यक्षा एवं जिला अधिकारियों द्वारा किया गया। कार्यक्रमों का शुभारम्भ सरस्वती पूजन, दीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती वन्दना के साथ हुआ।

गण्मान्य अतिथियों ने सम्मेलन में प्रतिभाग कर अपने बहुमुल्य उदबोधनों से उपस्थित प्रतिभागियों में एक नई स्फूर्ति एवं उत्साह का संचार किया। अधिकांश जनपदों में मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष के रूप में जिला पंचायत अध्यक्षों तथा जिला अधिकारियों ने कार्यक्रम की अध्यक्षता कर सम्मेलनों की शोभा बढाई।

**समस्त 71 जनपदों में सम्मेलन आयोजित किये गये। जनपदों से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार 21 जनपदों में मन्त्री, सांसद, विधायक, 49 जिलों मे जिला अधिकारियों, 20 जनपदों मे जिला पंचायत अध्यक्षों, 3 जनपदों में कमिशनरों, 10 जिलों मे मुख्य विकास अधिकारियों,15 जिलों में अपर निदेशक/संयुक्त निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण द्वारा सम्मेलनों में प्रतिभाग कर अपने बहुमुल्य उद्घोषणें से उपस्थित आशाओं एवं अन्य को लाभान्वित किया।**

मुख्य चिकित्सा अधिकारियों द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। तदोपरान्त आशाओं द्वारा किये जा रहे स्वास्थ्य सम्बन्धित कार्यो की भरपूर प्रशंसा की गयी एवं उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में समाज एवं स्वास्थ्य विभाग के बीच चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवायें प्रदान करने वाली एक कड़ी बताया गया। अधिकारियों ने एन0आर0एच0एम0 के अन्तर्गत संचालित कार्यक्रमों के क्रियान्वयन से सम्बन्धित अध्यतन स्थति से प्रतिभागियों को अवगत कराया एवं कुछ स्वास्थ्य सेवाओं जिनमें समुदाय को अपेक्षित लाभ नही मिल पा रहा है पर चिन्ता जताई एवं आशाओं से आहवान किया कि वो कड़ी परिश्रम कर राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के उद्देश्यों की शतप्रतिशत पूर्ति सुनिशिचित करने हेतु प्रयत्न करें। परिवार कल्याण के कार्यक्रमों में आशाओं के सराहनीय सहयोग का विशेष उल्लेख किया गया। कई जनपदों में सम्मेलन मे पावरप्वाइंट प्रस्तुतिकरण एवं चल चित्रों के माध्यम से कार्यक्रमों एवं सेवाओं की जानकारी दी गयी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (प0क0) ने अपने सम्बोधनों में अपने जनपद की आशाओं की समस्याओं तथा कार्यक्रमों में आने वाली कठिनाईयों के बारे में बताया। उनके कर्तव्यों एवं भूमिका पर चर्चा की गयी।

विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमो के प्रभारी अधिकारियों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों जैसे मलेरिया नियन्त्रण, पोलियो उन्मूलन, कुष्ठ, अन्धता निवारण, इत्यादि पर आशाओं को जानकारी प्रदान की। सममेलनों में आशाओं ने अपने कुछ खट्टे मीठे अनुभवों एवं सफलता की कहानियों से भी श्रोताओं को लाभान्वित किया एवं अपने–अपने अनुकरणीय उदाहारणों से समस्त उपस्थित आशाओं में एक नई स्फूर्ति का संचार किया। कुछ आशाओं द्वारा स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारियों एवं प्रेरणादायक संदेशों को मनमोहक कविताओं के माध्यम से दर्शकों के मध्य प्रस्तुत किया गया।

मुख्य अतिथियों एवं जिला अधिकारियों ने अपने उद्बोधनों से समस्त उपस्थित आशाओं को स्वास्थ्य सेवाओं को जन–जन तक विशेष कर वंचित वर्गों तक पँहुचाने के लिये प्रेरित किया। उन्होने कहा कि आशाओं को आने वाली कठिनाईयों का तुरन्त निराकरण किया जाना चाहिये जिससे कि आशायें मनलगा कर कार्य करें ताकि मातृ तथा शिशु–मृत्यु दरों में कमी आ सके और राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के उद्देश्यों की शत–प्रतिशत पूर्ति हो सके।

ग्रामीण स्तर पर एक आशा द्वारा सम्पादित किये गये विभिन कार्यों जैसे ग्राम स्वास्थ्य योजना बनवाना, स्वास्थ्य सम्बन्धी व्यवहार में परिवर्तन हेतु अन्तरव्यक्तिक सम्वाद व उत्प्रेरण, आंगवाड़ी कार्यकर्ती, दाई, ए0एन0एम0 आदि से सम्पर्क स्थापित करना, सलाह मशविरा करना, शिशु स्वास्थ्य एवं टीकाकरण, गर्भनिरोधकों की आपूर्ति आवश्यकता मांग, गुप्त रोग और यौन जनित संक्रामण/एड्स रोगियों की मद्द करना, प्राथमिक चिकित्सकीय परिचर्चा प्रदान करना , संग्रह कर्ता के रूप में कार्य करना, अभिलेखों के रखरखाव और पंजीकरण करना इत्यादि पर भी सम्मेलन मे चर्चा की गयी।

समस्त जनपदों में ब्लाक वार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय आशाओं को उनके कार्यों के आधार पर चयन कर सम्मेलन के माध्यम से पुरूस्कृत किया गया। पुरस्कार पाकर आशाओं के चेहरों पर छायी खुशी की लहर साफ झलक रही थी। इस खुशी का कारण केवल पुरस्कार नही था परन्तु इससे भी महत्वपूर्ण कारण यह था कि उनके विशेष प्रयत्नों से कुछ ऐसी महिलायें एवं शिशु एक स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन बिता पाने में सफल हो पाये थे जो शायद आशाओं की सहयोग एवं सहायता के अभाव मे सम्भव न हो पाता ।

जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य में चलाए जा रहे विश्व के सवसे बडे कार्यक्रम, जच्चा बच्चा सुरक्षा अभियान, के अलावा एन0आर0एच0एम0 के अन्तर्गत विभिन्न संचालित कार्यक्रमों में आशाओं के पूर्ण योगदान हेतु वक्ताओं द्वारा आह्वान किया गया। सम्मेलन स्थल पर कुष्ठ, टी0बी0, परिवार कल्याण, आई0सी0डी0एस0, पंचायती विभाग, शिक्षा विभाग, पोलियो उन्मूलन इत्यादि के स्टॉल लगाये गए थे जिसके माध्यम से प्रतिभागियों को जानकारियाँ एवं जागरूकता प्रदान की गयी ।

समस्त जनपदों में आशाओं के द्वारा मनोरंजक, रंगारंग एवं मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये तथा शिक्षा प्रद एवं सूचनाप्रद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन समारोहों में कई आशाओं ने बेहतरीन नृत्य व नाटक प्रस्तुत करके दर्शकों का मन मोह लिया। सांस्कृतिक काय्रक्रमों के आधर पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली आशाओं को पुरूस्कारों से सम्मानित किया गया। कई जिलों में आकर्षक जादुई कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये जिनके माध्यम से स्वास्थ्य सम्बन्धित संदेशों को उपस्थित दर्शकों तक पहुँचाया गया। कई जनपदों में स्वास्थ्य संदेशों को विकास के क्षेत्र में अग्रणी एवं सुप्रसिद्व सांस्कृतिक मण्डलीयों ने रंग बिरगें एवं मनमोहक नाटकों एवं खेलों के माध्यम से दर्शकों तक पहुँचाया।

विभिन्न वक्ताओं द्वारा राज्य के सामान्य जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में आशातीत वृद्धि पर आशाओं को धन्यवाद दिया गया तथा नई उभरती चुनौतियों से दिलोजान से लड़ने का आह्वान किया गया।

## आशा सम्मेलन का प्रस्तावित एजेन्डा (प्रातः10बजे से 2.30बजे)

1– आशाओं का ब्लॉक–वार पंजीकरण (प्रातः 9 बजे से 10 बजे तक)
2– मुख्य अतिथि का आशाओं द्वारा स्वागत एवं सम्मान (समय– 30 मिनट )
3– मुख्य चिकित्सा अधिकारी के द्वारा आशाओं का स्वागत एवं सम्म्लेन के उददे्श्य के बारे में सम्बोधन (समय– 30 मिनट )
4– विभागीय अधिकारी द्वारा आशाओं की भूमिका, उनके द्वारा किये गये कार्यों एवं सम्भावनाओं पर ब्लाक–वार प्रगति रिपोर्ट (समय–30–45 मिनट )
5– ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत आगामी वर्ष हेतु मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सम्बन्धी प्राथमिकता वाले विषय पर जानकारी (समय–45 मिनट)
6– आशाओं का सांस्कृति कार्यक्रम ( समय–2 घंन्टा )

- ईश्वरीय वंदना
- वाद–विाद प्रतियोगिता (प्रतियोगिता के विषय का चयन स्थानीय स्तर किया जाना है।
- सफल एवं अनुकरणीय कार्य के बारे में आशाओं के विचार
- आशाओं द्वारा प्रस्तुत फोक–डान्स
- आशाओं द्वारा प्रस्तुत फोक–संगीत
- मुख्य अतिथि के द्वारा सर्वोत्तम आशाओं का सम्मान एवं पुरस्कार वितरण

7–सम्मेलन का समापन
8–भोजन/जलपान

# कार्यक्रम में पंजीकरण कराती हुई आशाऐं

आशा दिवस- सम्मेलन में किट प्राप्त करती आशाएं

आशाओं का पंजीकरण करते अधिकारी/कर्मचारी गण

सम्मेलन में लगाये गये विभिन्न योजनाओं के स्टॉल

# मुख्य अतिथि का आशाओं द्वारा स्वागत

मुख्य अतिथि का स्वागत करते जनपदीय अधिकारीगण

# विभिन्न जनपदों में सम्मेलन उद्घाटन के कुछ दृश्य

मुख्य अतिथि द्वीप प्रज्जवलित करते हुए

08/23/2010

प्रदेश के विभिन्न जनपदों में विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। राज्य मंत्रियों से लेकर मुख्य विकास अधिकारियों एवं अतिरिक्त जिला अधिकारियों ने कार्यक्रमों का शुभारम्भ कर अपनें सम्बोधनों से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इन जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के अलावा मण्डलीय अपर निदेशकों एवं मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धकों के द्वारा भी सम्मेलनों में प्रतिभाग किया गया। सम्मेलन में गणमान्य व्यक्तियों एवं अधिकारियों के उद्बोधन से कार्यक्रम की जानकारी देकर एवं प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत कर आशाओं में स्फूर्ति का संचार किया गया।

# कार्यक्रम में उपस्थित आशायें एवं मुख्य अतिथिगण

आयोजित सम्मेलनों मे 59,056 आशाओं समेत कुल 65,290 लोगों ने प्रतिभाग किया। अधिकतर जनपदों मे सम्मेलन 23 अगस्त 2010 को आयोजित किये गए परन्तु कुछ जिलों मे कुछ जनपद स्तरीय कारणों की वजह से इसका आयोजन 23 अगस्त को न होकर अन्य तिथियों मे किया गया

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन
कानपुर नगर
आशा दिवस सम्मेलन - 2010
मुख्य अतिथि - श्री अमित कुमार घोष
आयुक्त
अध्यक्षता - श्री मुकेश कुमार मेश्राम
जिलाधिकारी

08/23/2010

उत्सव गेस्ट हाउस
Cont.: 9412919162
CONT.9456073879
राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन जनपद औरैया
''आशा सम्मेलन''
23 अगस्त 2010 दिन सोमवार
स्थान- उत्सव गेस्ट हाउस, औरैया
डा0 दलवीर सिंह
जिला परियोजना अधिकारी
(परिवार कल्याण,) औरैया
डा0 करन सिंह
मुख्य चिकित्सा अधिकारी
औरैया
उदय प्रताप सिंह
जिलाधिकारी
औरैया

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, जनपद लखनऊ
आशा सम्मेलन
दिनाँक: 23 अगस्त– 2010, समय प्रात: 10:00 बजे
अध्यक्षता: श्रीमती छेदाना गौतम मा. जिला पंचायत अध्यक्ष, लखनऊ
मुख्य अतिथि: श्री अनिल कुमार सागर (आई. ए. एस.) जिला अधिकारी, लखनऊ
स्थान: गाँधी भवन प्रेक्षागृह, निकट शहीद स्मारक, कैसरबाग, लखनऊ
डा. विनोद कुमार
डा. ए. के. शुक्ला

आशा सम्मेलन में प्रतिभाग करती हुयी आशायें

खराब मौसम के बावजूद सम्मेलन मे आशओं ने एक बड़ी संख्या मे प्रतिभाग कर स्वास्थ्य कार्यकमों के प्रति अपनी कर्मठता एवं प्रतिबद्धता दर्शाई

ब्लाक
वरखेड़ा

# मुख्य अतिथियों एवं अन्य अधिकारियों द्वारा सम्बोधन

"आशा दिवस" 23 अगस्त 2010 के अवसर पर
विशाल आशा सम्मेलन
FIND SOUND

BALRAMPUR HOTEL & BANQUETS WELCOMES YOU
जनपद स्तरीय
आशा सम्मेलन
दिनांक : 23 अगस्त, 2010
स्थान : बलरामपुर होटल सभागार, बलरामपुर
साउन्ड सर्विस
08/23/2010

माननीया मुख्यमन्त्री बहन कुमारी मायावती जी का
सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय योजना के अन्तर्गत
"आशा सम्मेलन"
में आपका स्वागत है।
दिनांक- 23 अगस्त 2010, स्थान- निशात महल मैरिज हाल,पीलीभीत
मुख्य अतिथि- श्री कौशल राज शर्मा I.A.S. जिलाधिकारी,पीलीभीत
अध्यक्षता- श्रीमती अनीता वर्मा अध्यक्षा जिला पंचायत,पीलीभीत

HOTEL
&
BANQUETS
WELCOMES
YOU
08/23/2010

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, जनपद लखनऊ
आशा सम्मेलन
दिनाँक: 23 अगस्त– 2010, समय प्रात: 10:00 बजे
स्थान: गाँधी भवन प्रेक्षागृह, निकट शहीद स्मारक, कैसरबाग, लखनऊ


राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन
आशा दिवस
दिनाँक ÷ 23 अगस्त 2010
स्थान ÷ हिना पैलेस, बागपत
मुख्य अतिथि – डा० यशवंत सिंह
माननीय मंत्री - गरीबी उन्मूलन एवं नगरीय विकास
राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) उ० प्र० शासन

# आशाएं अपने अनुभवों एवं विचारों को प्रस्तुत करते हुये

समम्मेलनों में आशाओं ने अपने कुछ खट्टे मीठे अनुभवों एवं सफलता की कहानियों से भी श्रोताओं को लाभान्वित किया एवं अपने–अपने अनुकरणीय उदाहारणों से समस्त उपस्थित आशाओं में एक नई स्फूर्ति का संचार किया। कुछ आशाओं द्वारा स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारियों एवं प्रेरणादायक संदेशों को मनमोहक कविताओं के माध्यम से दर्शकों के मध्य प्रस्तुत किया गया।

# सम्मेलनों मे आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक झलक

समस्त जनपदों में आशाओं के द्वारा मनोरंजक, रंगारंग एवं मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये तथा शिक्षा प्रद एवं सूचनाप्रद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन समारोहों में कई आशाओं ने बेहतरीन नृत्य व नाटक प्रस्तुत कर के दर्शकों का दिल जीत लिया। सांस्कृतिक काय्रक्रमों के आधार पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली आशाओं को पुरूस्कारों एवं प्रशस्ति पत्रों से सम्मानित किया गया। कई जिलों में आर्कषक जादुई कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये जिनके माध्यम से स्वास्थ्य सम्बन्धित संदेशों को उपस्थित दर्शकों तक पहुँचाया गया। कई जनपदों में स्वास्थ्य संदेशों को विकास के क्षेत्र में अग्रणी एवं सुप्रसिद्व सांस्कृतिक मण्डलीयों ने रंग बिरगें एवं मनमोहक नाटकों एवं खेलों के माध्यम से दर्शकों तक पहुँचाया।

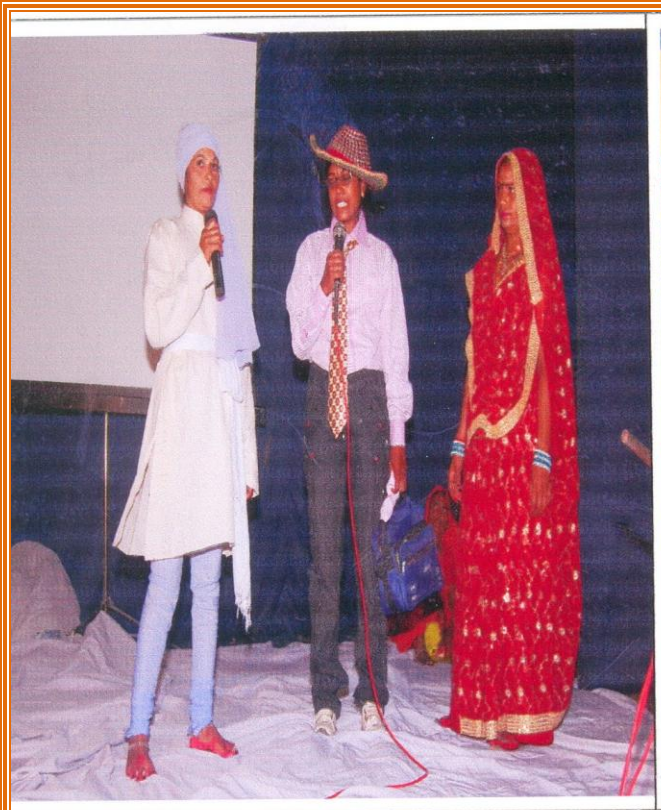

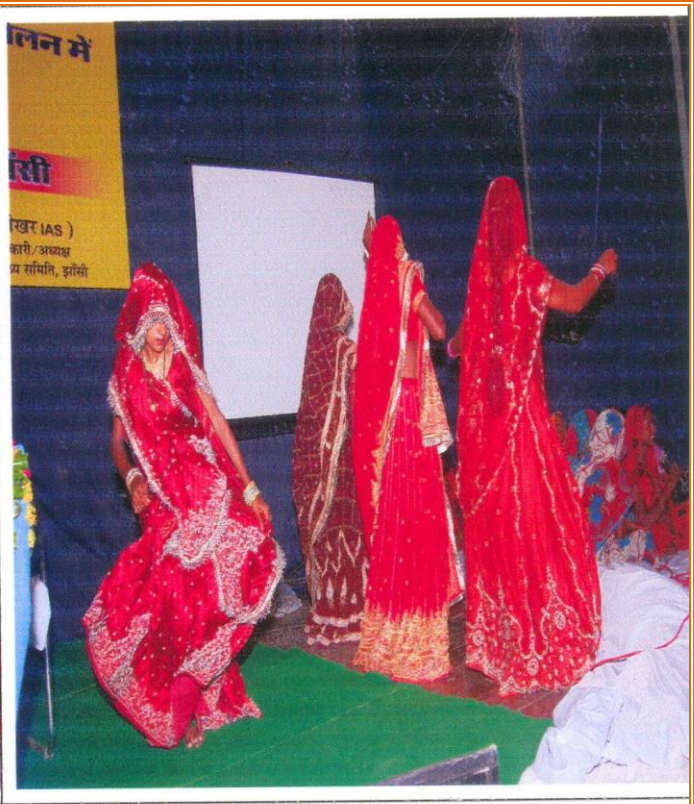

आशाओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समस्त उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य
DISA

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन
23 अगस्त 2010

# सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती आशायें

ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन
जनपद - एटा

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, जनपद-मथुरा
जनपदीय आशा सम्मेलन
दिनांक :-23 अगस्त 2010
स्थान:- श्री जी बाबा आश्रम, मथुरा
जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद- मथुरा.

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन बस्ती
आशा दिवस
दिनांक – 23 अगस्त 2010
मुख्य अतिथि- माननीय श्री राम प्रसाद चौधरी
विशिष्ट अतिथि- माननीय श्री अरविन्द चौ
अध्यक्षता- पंकज कुमार
स्थान – बादशाह कालेज
DISA

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन
आशा सम्मेलन
23 अगस्त 2010
पुलिया, बाईपास रोड, आगरा
(ऊर्जा मंत्री उ.प्र. शासन)
(सांसद लोकसभा क्षेत्र फतेहपुर सीकरी, आगरा)

रंगोली प्रतियोगिता मे आशाओं द्वारा बनाए गए रंग–बिरंगे मनमोहक रंगोली का दृश्य

# पुरस्कार वितरण की झलकियाँ

सर्वश्रेष्ठ आशाओं को पुरस्कार देते डा० ओ० पी० पाठक

सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्र
न वाली आशा को पुरस्कृत करते
जिलाधिकारी फैजाबाद"

# आशाओं को वितरित आइ0ई0सी0 सामग्रियाँ

# राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन

# आशा दिवस सम्मेलन

## उद्देश्य :-

प्रति वर्ष 23 अगस्त को सम्पूर्ण प्रदेश में आशा दिवस सम्मेलन के रूप में मनाया जाता है। आशा दिवस का मुख्य उद्देश्य समुदाय में आशा की भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करना है एवं प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं से दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाने में उनकी भूमिका के बारे में अहसास दिलाना है।

## सम्मेलन का आयोजन :-

जनपद स्तर पर आयोजित होने वाले इस एक दिवसीय सम्मेलन में मुख्यतः आशाओं को उनके बारे में जानकारी दिया जाना है एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर कार्य के आधार पर चयनित सर्वोत्तम आशा को पुरस्कार दिया जाना है।

## आशाओं का महत्वः-

देश भर में स्वास्थ्य सेवाओं को ग्रामीण अंचलों तक पहुंचाने में आशा एक ऐसी महत्वपूर्ण कड़ी है जो स्वास्थ्य सेवाओं और ग्रामवासियों के बीच तालमेल बैठाते हुये, अपने गांव की गरीब महिलाओं और बच्चों को अच्छी स्वास्थ्य सेवायें दिला रही है। आशा सामुदायिक बैठकों और आपसी बातचीत से, अपने समुदाय में स्वास्थ्य से जुड़ी तमाम भ्रान्तियों को दूर कर जागरूकता लायेगी और उन तक स्वास्थ्य सेवा का लाभ पहुंचायेगी।

## आशा के कार्य :-

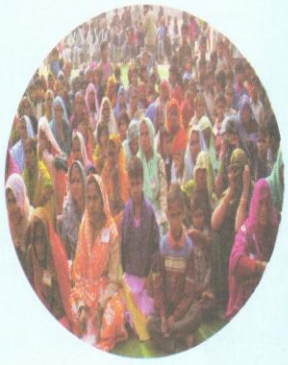

- ग्राम स्वास्थ्य योजना बनाना।
- स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में परिवर्तन हेतु सम्पर्क व उत्प्रेरणा।
- आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री, प्रशिक्षित दाई, ए0एन0एम0, पुरुष कार्यकर्ता आदि से सम्पर्क स्थापित करना।
- सलाह मशविरा (काउंसिलिंग)।
- मरीजों के साथ अस्पताल जाना।
- प्राथमिक चिकित्सकीय परिचर्या प्रदान करना।
- संग्रहकर्ता (डिपो होल्डर) के रूप में कार्य करना।
- अभिलेखों का रख–रखाव और पंजीकरण का कार्य करना।

# राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन

# स्वच्छता सम्बन्धी महत्वपूर्ण जानकारियाँ

## ❖ व्यक्तिगत सफाई :-

अपने शरीर के विभिन्न अंगों को स्वच्छ रखने से बीमारियों से छुटकारा मिलता है। हमें इसे एक नियमित आदत के रूप में ढालना होगा।

**हाथ धोना :** शौच के बाद और भोजन के पहले साबुन से दोनों हाथ रगड़कर धोने चाहिये।

**शौच जाना :** प्रतिदिन नियम से शौच जाना चाहिए।

**स्नान करना :** प्रत्येक दिन सुबह बच्चों को साबुन से स्नान करना चाहिए।

**मुँह और दाँत की सफाई :** रोज सोने से पहले और सुबह उठकर अच्छी तरह मुँह हाथ धोना चाहिए एवं दाँतों को टूथब्रुश अथवा दातुन से साफ रखना चाहिए।

खाना खाने से पूर्व तथा शौच के बाद बच्चे का हाथ साबुन से अवश्य धोयें

**जूते चप्पल पहनना :** बच्चे हर समय जूते या चप्पल पहनकर रहें और बाहर जाते समय तो खासकर जूते या चप्पल पहनें वरना पेट में कीड़े (हुकवर्म) हो जाते हैं।

**साफ कपड़े और बिस्तर :** रोज पहनने वाले कपड़े जैसे – जाँघिया, बनियान, शमीज आदि नित्य साबुन से धुलने चाहिए और धूप में सुखाना चाहिए। बाकी कपड़े साफ धुले हुए पहनने चाहिए। इससे चर्म रोगों से बचाव होता है।

व्यक्तिगत साफ–सफाई रखें

**बालों और नाखूनों की सफाई :** छोटे बाल प्रतिदिन तथा बड़े बाल एक दिन छोड़कर शैम्पू या साबुन से धोने चाहिए। नाखून कटे होने चाहिए, वरना इनके अंदर गंदगी जमा हो जाती है और रोग फैलते हैं।

**थूकना :** इधर–उधर थूकना नहीं चाहिए। खाँसते या छींकते समय रूमाल या हाँथ से मुँह ढक कर रखें।

## ❖ घर पर पानी की सफाई रखने के लिये :-

- पीने का पानी साफ बर्तन में ढक कर रखें, गन्दे हाथों से पीने के पानी को न छुयें, पानी निकालने के लिये लम्बी डंडी वाले साफ कड़छुल या कप का इस्तेमाल करें।
- पानी रखने के बर्तन में नल लगवा लें।
- पशुओं को पीने के पानी के स्रोतों और परिवार के रहने की जगह से दूर रखें।
- पानी के स्रोतों के आस–पास कीटनाशकों या रसायनों का इस्तेमाल न करें।
- जहाँ हैण्ड पम्प हों वहाँ उनका पानी पीना उचित है।

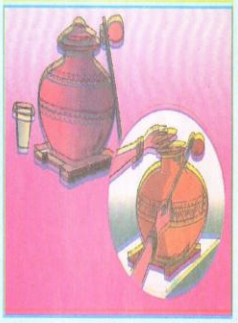

पीने का पानी ढककर सुरक्षित रखें। पानी निकालने के लिये लम्बी डंडी वाले साफ कड़छुल का इस्तेमाल करें।

# आशा को कार्य के आधार पर मिलने वाली प्रोत्साहन राशि का विवरण

| क्रम | गतिविधियां | प्रतिपूर्ति राशि |
|---|---|---|
| | **जननी सुरक्षा योजना** | |
| 1 | जननी सुरक्षा योजना (आशाओं को मिलने वाली धनराशि, वाहन हेतु रू0 250/– भोजन व्यवस्था हेतु रू0 150/– आशा हेतु रू0 200/– | रू0 600/– |
| | **परिवार कल्याण कार्यक्रम** | |
| 2 | महिला नसबन्दी के उपरान्त लाभार्थी की अगले 48 घण्टे तक देखभाल करने पर। | रू0 150/– |
| 3 | पुरूष नसबन्दी के उपरान्त लाभार्थी की अगले 48 घण्टे तक देखभाल करने पर। | रू0 200/– |
| | **पल्स पोलियो अभियान** | |
| 4 | पल्स पोलियो अभियान में टीम के साथ बूथ तथा घर–घर कार्य करने पर। | रू0 75/– |
| | **राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम** | |
| 5 | डाट्स प्रोवाइडर के रूप में सम्पूर्ण अवधि के लिए प्रत्येक रोगी के उपचार के बाद। | रू0 250/– |
| | **राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम** | |
| 6 | कुष्ट के मल्टी बेसीलरी रोगी के 18 माह के उपचार के उपरान्त प्रति केस। | रू0 500/– |
| 7 | कुष्ठ के पासी बेसीलरी रोगी के 6–9 माह के उपचार के उपरान्त प्रति केस। | रू0 300/– |
| | **नियमित टीकाकरण/ग्रामीण स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस** | |
| 8 | टीकाकरण सत्र के दौरान सोशंल मोबलाईजेशन एवं बच्चों को टीकाकरण स्थल तक लाने के लिए। | रू0 150/– |
| | **जच्चा बच्चा सुरक्षा अभियान** | |
| 9 | प्रत्येक गर्भवती का जच्चा बच्चा कार्ड बनाने पर | रू0 30/– |
| | **एडिशनलिटी मद (बाउचर द्वारा भुगतान)** | |
| 10 | जच्चा बच्चा सुरक्षा अभियान के अन्तर्गत अपने क्षेत्र में एक वर्ष तक के शिशु के प्रत्येक टीकाकरण पर (पोलियो डी0पी0टी0 के तीन टीके, खसरे का एक टीका तथा विटामिन ए की प्रथम खुराक पिलवा कर बच्चे के समय से पूर्ण प्रतिरक्षीकरण हेतु ) | रू0 20/– पूर्ण प्रतिरक्षीकरण हेतु कुल-100 रू0 |
| 11 | प्रसव पश्चात एक सप्ताह के अन्दर मां व नवजात शिशु की कम से कम 2 बार देखभाल, 1 घण्टे के अन्दर स्तनपान को बढावा देने के लिए। | रू0 50/– |
| 12 | किसी भी गर्भवती को गर्भावस्था में उत्पन्न जटिलता अथवा नवजात शिशु की किसी जटिलता की स्थिति में चिकित्सालय तक पहुंचाने के लिए। | रू0 200/– |
| 13 | विलेज हैल्थ रजिस्टर बनाना एवं प्रतिवर्ष अद्यतन रखने पर (31 मार्च को)। | रू0 500/– |
| 14 | जन्म/मृत्यु पंजीकरण एवं प्रमाण पत्र दिलाने पर प्रति केस। | रू0 5/– |
| 15 | प्रतिमाह स्वास्थ्य जागरूकता की दो बैठक (महिलाओं एवं किशोरियो हेतु)। | रू0 200/– |
| 16 | 15 वर्ष तक के बच्चों में दृष्टिदोष होने की स्थिति में जांच कराकर चश्मा लगवाने पर प्रति केस। | रू0 25/– |
| 17 | मोतियाबिन्द का ऑपरेशन के बाद फालोअप हेतु। | रू0 50/– |
| 18 | सी0/पी0एच0सी0 पर आयोजित होने वाली मासिक बैठक में भाग लेने पर। | रू0 30/– |
| | **समेकित बाल संरक्षण कार्यक्रम** | |
| 19 | ढाई किलो से कम वजन के नवजात शिशु के जन्म उपरान्त 6 विजिट करने पर। | रू0 100/– |
| 20 | ढाई किलो से अधिक वजन के नवजात शिशु के जन्म उपरान्त 3 विजिट करने पर। | रू0 50/– |
| | **आई0डी0एस0पी0** | |
| 21 | संकामक रोग के प्रसार की 10 सूचनाएं लाने पर | रू0 100/– |
| | **नेशनल वेक्टर वोर्न डिजीज कन्ट्रोल प्रोग्राम** | |
| 22 | ज्वर रोगी की स्लाइड वनाने पर प्रति स्लाइड | रू0 5/– |

जिला परियोजना अधिका
परिवार कल्याण, झाँसी

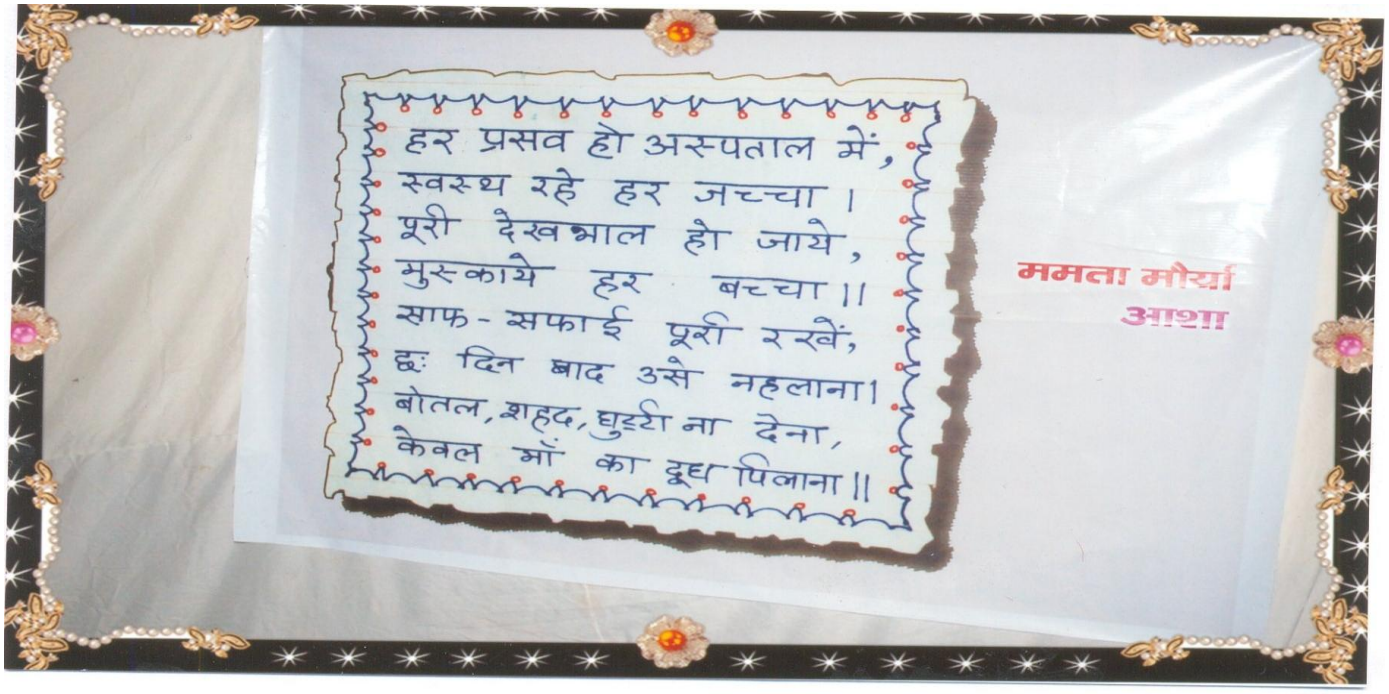


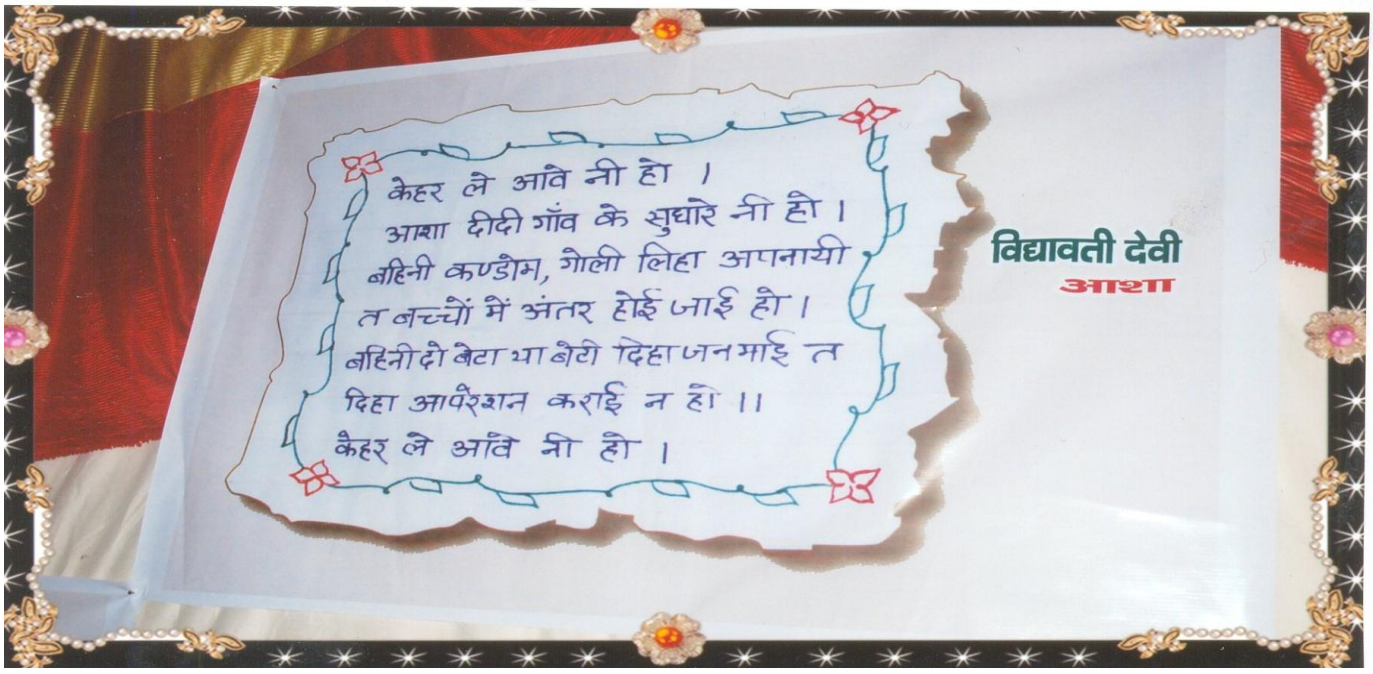


आशाओं द्वारा कार्यक्रम मे सुन्दर सन्देशप्रद कविताओं के माध्यम से स्वास्थ्य सन्देशों को उपस्थित दर्शकों तक पहुँचाने का प्रयत्न किया गया

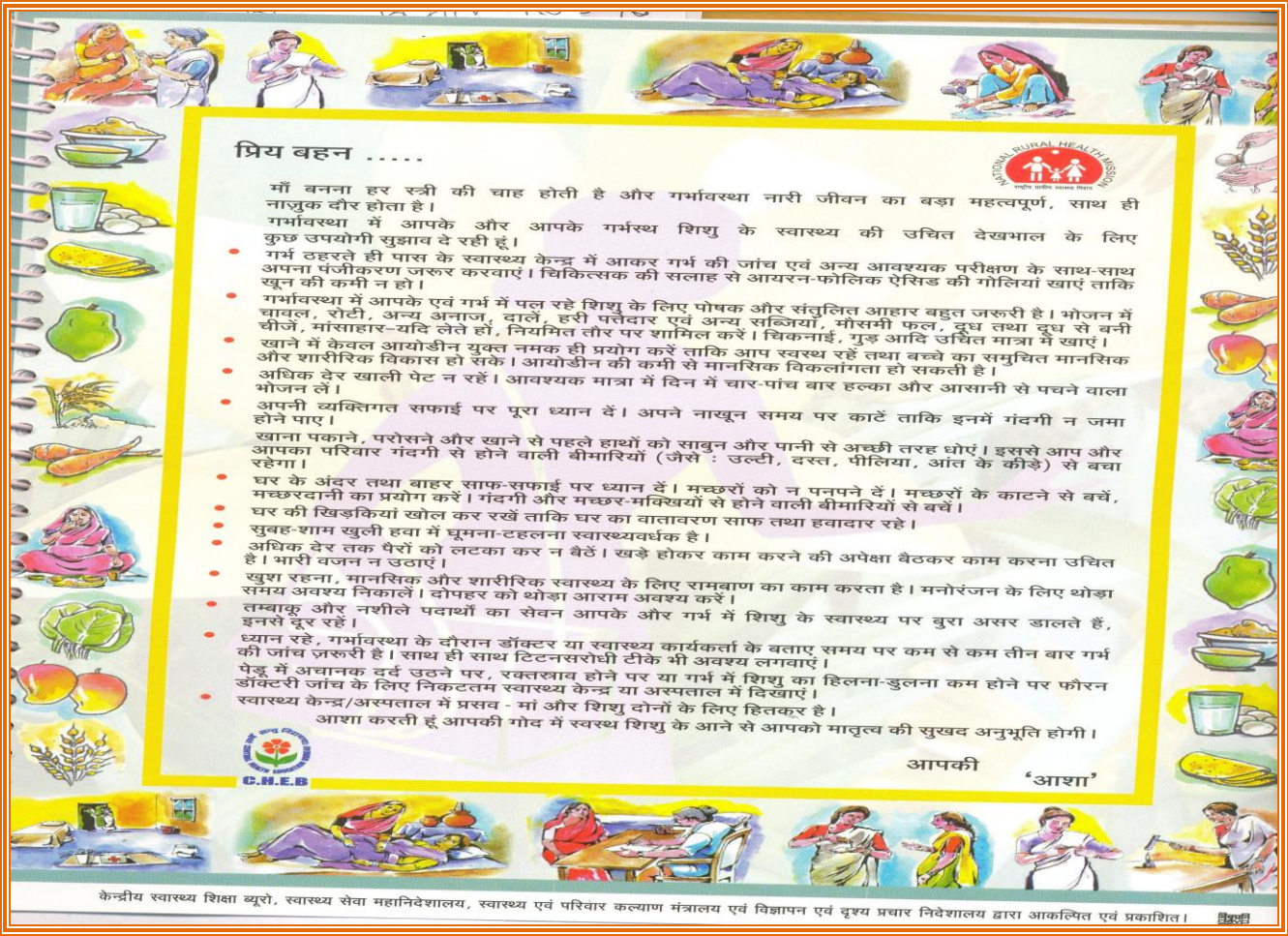

## प्रिय बहन .....

माँ बनना हर स्त्री की चाह होती है और गर्भावस्था नारी जीवन का बड़ा महत्वपूर्ण, साथ ही नाज़ुक दौर होता है।

गर्भावस्था में आपके और आपके गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य की उचित देखभाल के लिए कुछ उपयोगी सुझाव दे रही हूं।

- गर्भ ठहरते ही पास के स्वास्थ्य केन्द्र में आकर गर्भ की जांच एवं अन्य आवश्यक परीक्षण के साथ-साथ अपना पंजीकरण जरूर करवाएं। चिकित्सक की सलाह से आयरन-फोलिक ऐसिड की गोलियां खाएं ताकि खून की कमी न हो।
- गर्भावस्था में आपके एवं गर्भ में पल रहे शिशु के लिए पोषक और संतुलित आहार बहुत जरूरी है। भोजन में चावल, रोटी, अन्य अनाज, दालें, हरी पत्तेदार एवं अन्य सब्जियां, मौसमी फल, दूध तथा दूध से बनी चीजें, मांसाहार–यदि लेते हों, नियमित तौर पर शामिल करें। चिकनाई, गुड़ आदि उचित मात्रा में खाएं।
- खाने में केवल आयोडीन युक्त नमक ही प्रयोग करें ताकि आप स्वस्थ रहें तथा बच्चे का समुचित मानसिक और शारीरिक विकास हो सके। आयोडीन की कमी से मानसिक विकलांगता हो सकती है।
- अधिक देर खाली पेट न रहें। आवश्यक मात्रा में दिन में चार-पांच बार हल्का और आसानी से पचने वाला भोजन लें।
- अपनी व्यक्तिगत सफाई पर पूरा ध्यान दें। अपने नाखून समय पर काटें ताकि इनमें गंदगी न जमा होने पाए।

खाना पकाने, परोसने और खाने से पहले हाथों को साबुन और पानी से अच्छी तरह धोएं। इससे आप और आपका परिवार गंदगी से होने वाली बीमारियों (जैसे : उल्टी, दस्त, पीलिया, आंत के कीड़े) से बचा रहेगा।

- घर के अंदर तथा बाहर साफ-सफाई पर ध्यान दें। मच्छरों को न पनपने दें। मच्छरों के काटने से बचें, मच्छरदानी का प्रयोग करें। गंदगी और मच्छर-मक्खियों से होने वाली बीमारियों से बचें।
- घर की खिड़कियां खोल कर रखें ताकि घर का वातावरण साफ तथा हवादार रहे।
- सुबह-शाम खुली हवा में घूमना-टहलना स्वास्थ्यवर्धक है।
- अधिक देर तक पैरों को लटका कर न बैठें। खड़े होकर काम करने की अपेक्षा बैठकर काम करना उचित है। भारी वजन न उठाएं।
- खुश रहना, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए रामबाण का काम करता है। मनोरंजन के लिए थोड़ा समय अवश्य निकालें। दोपहर को थोड़ा आराम अवश्य करें।
- तम्बाकू और नशीले पदार्थों का सेवन आपके और गर्भ में शिशु के स्वास्थ्य पर बुरा असर डालते हैं, इनसे दूर रहें।
- ध्यान रहे, गर्भावस्था के दौरान डॉक्टर या स्वास्थ्य कार्यकर्ता के बताए समय पर कम से कम तीन बार गर्भ की जांच ज़रूरी है। साथ ही साथ टिटनसरोधी टीके भी अवश्य लगवाएं।
- पेडू में अचानक दर्द उठने पर, रक्तस्राव होने पर या गर्भ में शिशु का हिलना-डुलना कम होने पर फौरन डॉक्टरी जांच के लिए निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र या अस्पताल में दिखाएं।
- स्वास्थ्य केन्द्र/अस्पताल में प्रसव - मां और शिशु दोनों के लिए हितकर है।

आशा करती हूं आपकी गोद में स्वस्थ शिशु के आने से आपको मातृत्व की सुखद अनुभूति होगी।

आपकी
'आशा'

C.H.E.B

केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एवं विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय द्वारा आकल्पित एवं प्रकाशित।

# आपका स्वास्थ्य - आपके हाथ

## क्या आप जानते हैं -

* प्रत्येक सरकारी अस्पताल में बच्चे की डिलीवरी की सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध है इस सुविधा का लाभ उठायें।
* बच्चे की डिलीवरी कराने पर गांव की महिला को १४००/- रु. तथा शहर की महिला को १०००/- रु. उसी समय चैक से दिये जाते हैं।

बहन कु. मायावती
मुख्यमंत्री, उ.प्र.

* तीन हफ्तों से ज्यादा समय तक चली खाँसी टी०बी० हो सकती है। यदि आपके परिवार में या आपके पड़ोस में किसी को तीन हफ्ते या उससे ज्यादा खाँसी हो तो पास के सरकारी स्वास्थ्य केन्द्र में बलगम की जाँच अवश्य करायें।
* टी०बी० के जाँच व इलाज की सुविधा सभी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर मुफ्त उपलब्ध है।

अनन्त कुमार मिश्रा
मा. मंत्री, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, उ.प्र.

* ४५ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति को २० फीट की दूरी से यदि उंगलियाँ दिखाई न दें तथा सामान्य से धुंधला दिखाई दे रहा हो तो उस आँख में मोतियाबिन्द हो सकता है।
* मोतियाबिन्द की जाँच व इलाज की सुविधा सभी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर तथा बिना टाँका विधि द्वारा ऑपरेशन की सुविधा जिला चिकित्सालय अलीगढ़ में नि:शुल्क उपलब्ध है।

* बच्चो के जन्म में अन्तर रखने के लिये निरोध/कॉपर टी का प्रयोग कुशल चिकित्सक की सलाह से करें।
* पुरुष नसबन्दी पर ११००/-रु. तथा महिला नसबन्दी पर ६००/- रु. की धनराशि लाभार्थी को मिलेगी।
* जन्म-मृत्यु का पंजीकरण अवश्य करायें।

**बेटियाँ हैं ज़रूरी, ताकि ज़िन्दगी न रहे अधूरी**

डा०जे०पी०राव
मुख्य चिकित्सा अधिकारी
एटा

गौरव दयाल
(आई.ए.एस.)
जिलाधिकारी, एटा

# आशा सम्मेलन समाचार पत्रों की नजर में

सोमवार को शहर के एक गेस्ट हाउस में आयोजित आशा सम्मेलन में मौजूद जिलाधिकारी, अन्य स्वास्थ्य अधिकारी तथा सम्मेलन में मौजूद आशाएँ

## सम्मेलन में दिया जच्चा बच्चा के टीकाकरण पर जोर

**हिन्दुस्तान संवाद**
औरैया

शहर के उत्सव गेस्ट हाउस के राष्ट्रीय स्वास्थ मिशन के अंतर्गत आशा सम्मेलन सम्पन्न हुआ सम्मेलन ने अधिकारियों ने जच्चा बच्चा के टीकाकरण पर विशेष बल दिया। आशाओं को घर-घर जाकर गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण कराने और प्रसववाली महिलाओं को सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र पहुँचाने के निर्देश दिए।

जिला स्तरीय आशा सम्मेलन को

**जानकारी**

- आशाएँ प्रसव के लिए महिलाओं को स्वास्थ केन्द्र पहुँचाए
- जच्चा को तत्काल दें 1400 रुपए की चेक- अपर निदेशक एसके

सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी उदय प्रताप सिंह ने कहा कि आशा सत्यनिष्ठा व कर्तव्य पालन करते हुए जननी सुरक्षा के तहत काम करें उन्हें इस काम में चूक नहीं करनी चाहिए। आशाऐं गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण अनिवार्यता से करें और प्रसव के समय उन्हें पास के सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र तक पहुँचाएँ।

स्वास्थ विभाग की अपर निदेशक एसके सिहं भदौरिया ने कहा कि सरकार द्वारा चलाया जा रहा। जननी सुरक्षा एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है इसमें प्रसूता को 1400 रुपए की चैक दी जाती है। जिससे गरीब परिवारों को आर्थिक मदद मिल सके। उन्होंने आशाओं से जच्चा बच्चा की सुरक्षा का दायित्व जिम्मेदारी से सम्हालने को कहा। जिला परियोजना अधिकारी डा. दलवीर सिंह ने कहा कि प्रसव वाली महिलाओं की विभाग द्वारा वाहन उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने कहा कि आशा गाड़ी से प्रसूता को पास के सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र पर पहुँचाए और उसकी स्वयं देखभाल करें। सम्मेलन में आशाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए और गीत संगीत प्रस्तुत कर सभी को भाव विभोर कर दिया। इस अवसर पर सीएमओ डा. करन सिंह, जिलाक्षय रोग अधिकारी डा. बीके मिश्रा, डिप्टी सीएमओ डा. प्रवीण रायजादा, डा. सरजू खान आदि स्वास्थ विभाग के लोग मौजूद रहे।

मुरादाबाद, 24 अगस्त, 2010 | ज्योतिबा फूले नगर | www.jagran.com

# स्वास्थ्य सेवाओं को ग्रामीण अंचलों तक पहुंचायें आशाएं

जागरण संवाददाता, अमरोहा : राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन द्वारा आयोजित आशा सम्मेलन में जेडी हेल्थ एके वर्मा ने कहा कि आशाएं स्वास्थ्य सेवाओं को ग्रामीण अंचलों तक पहुंचायें। इस मौके पर आशाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति कर समां बांध दिया।

सोमवार को निशा पैलेस में आयोजित आशा सम्मेलन में मुख्य अतिथि जेडी हेल्थ एके वर्मा ने कहा कि देश भर में स्वास्थ्य सेवाओं को ग्रामीण अंचलों तक पहुंचाने में आशा एक ऐसी महत्वपूर्ण कड़ी है जो स्वास्थ्य सेवाओं और ग्रामवासियों के बीच तालमेल बैठाते हुए, अपने गांव की गरीब महिलाओं और बच्चों को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं दिला रही हैं। उन्होंने कहा कि जनजन तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचने में आशा का महत्वपूर्ण योगदान है। इस मौके पर अपर सिविल जज/ न्यायिक मजिस्ट्रेट खुशतर दानिश ने कहा कि आशा ग्रामीणों के लिए आशा की किरण की तरह है, जो उन्हें स्वास्थ्य सेवाएं देती है। सीएमओ रमेश कुमार ने आशा कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्राम स्वास्थ्य योजना बनाना, स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में परिवर्तन हेतु संपर्क करना, आंगनबाड़ी कार्यकत्री व प्रशिक्षित दाई, एएनएम, पुरुष कार्यकर्ता आदि से संपर्क स्थापित करना, मरीजों को अस्पताल पहुंचना आदि

**सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने धूम मचाई**

कार्य हैं। इससे पूर्व मुख्य अतिथि एडी हेल्थ श्री वर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट खुशतर दानिश, सीएमओ, डीपीओ, एमएलसी परमेश्वर लाल सैनी आदि ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में आशाओं ने भ्रूण हत्या पाप है, बुद्ध की पाठशाला आदि लघु नाटकों का मंचन किया। इसके अलावा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इससे पूर्व मुख्य अतिथि ने ब्लाक स्तर पर अच्छा कार्य कर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली मिथलेश, बबीता, ऊषा, सविंत्री, गीता व ममता को पांच हजार रुपये का चेक प्रदान किया। इसके अलावा द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाली आशाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। यहां डीपीओ डा. बीएल कुशवाह, डीपीएम भानू प्रताप, डीसीएम नीरज कुमार, डा. अजय वर्मा, डा. अशोक, रामपाल सहित बड़ी संख्या में आशाएं मौजूद थीं। उधर, इसी स्थान पर माइक्रो लीगल लिटरेसी कैंप का आयोजन किया गया। इसमें अपर सिविल जज खुशतर दानिश ने आशाओं को महिला उत्पीड़न, दहेज अधिनियम आदि के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर अधिवक्ता आसिफा आलमी, उमेश त्यागी आदि मौजूद थे।

सम्मेलन में आशाओं को संबोधित करते जेडी हेल्थ एके वर्मा। जागरण

जनपद ज्योतिबा फूले नगर में आयोजित आशा सममेलन समाचार पत्रों की नजर से

# ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य के प्रति बढ़ रही जागरूकता

• 'आशा' दिवस पर हुए सम्मेलन में जल निगम उपाध्यक्ष ने कार्यकत्रियों की भूमिका को सराहा

वाराणसी, नगर प्रतिनिधि : उत्तर प्रदेश जल निगम के उपाध्यक्ष रघुनाथ चौधरी ने ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के कार्यक्रमों में 'आशा' कार्यकत्रियों की भूमिका को सराहा है। कहा कि इन कार्यकत्रियों की सक्रियता का ही परिणाम है कि ग्रामीण इलाकों में भी लोग स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने लगे हैं। जच्चा-बच्चा सुरक्षा अभियान का काफी असर दिखने लगा है। ग्रामीण इलाकों में मातृ व शिशु मृत्यु दर में काफी कमी आई है।

श्री चौधरी सोमवार को नगर निगम प्रेक्षागृह में जिले की आशा कार्यकत्रियों के सम्मेलन को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। यह आयोजन आशा दिवस के अवसर पर किया गया था।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रामशरण ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कार्यक्रमों के संचालन के गुर बताए। कहा कि सरकार की ओर से चलाए जा रहे विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों का लाभ सही लोगों को मिले, यह हम सभी की जिम्मेदारी है। इसका हमें पूरी ईमानदारी से निर्वाह करना चाहिए।

अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आरती तिवारी ने आशा कार्यकत्रियों के कार्यों का विवरण पेश किया। उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सौएस कर्नेजिया ने आगामी वर्ष के लिए तय लक्ष्य की जानकारी दी। मिशन के जिला समन्वयक रिपुंजय श्रीवास्तव ने आशा दिवस के आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के अगले चरण में आशा कार्यकत्रियों ने ईश वंदना, वाद-विवाद प्रतियोगिता, नाटक का मंचन व लोक संगीत की प्रस्तुति की। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाली बारह कार्यकत्रियों को पुरस्कृत किया गया। आयोजन के अध्यक्ष अपर निदेशक डॉ. वीके श्रीवास्तव ने ब्लाक स्तर पर बेहतर कार्य करने वाली तीन-तीन कार्यकत्रियों को प्रशस्ति पत्र तथा पुरस्कार प्रदान किया संचालन जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. एस खान ने किया।

नगर निगम प्रेक्षागृह में 'आशा' सम्मेलन को संबोधित करते रघुनाथ चौधरी। -जागरण

the pioneer
LUCKNOW WEDNESDAY | AUGUST 25, 2010

The Pioneer
25 August 10

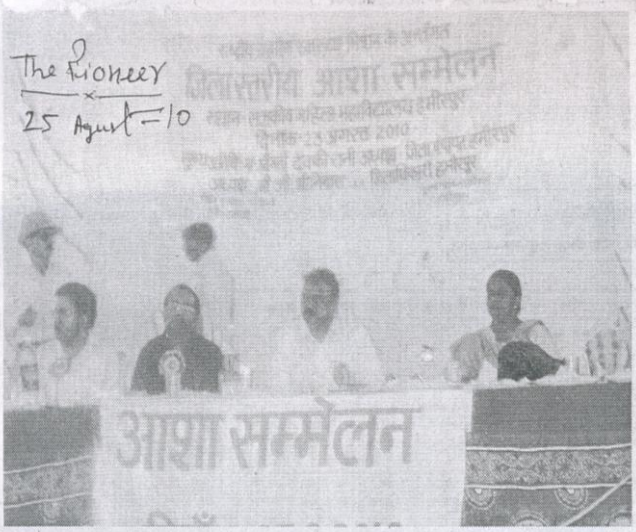

The District Magistrate, G Shrinivas, and the Chief Medical Officer (CMO), R Siddiqui, participating in the ASHA Sammelan at the Mahila Degee College in Hamirpur on Monday

अमर उजाला

# आशाओं की भूमिका महत्वपूर्ण-उपाध्याय

- स्वास्थ्य विभाग की जनसंख्या नियंत्रण योजना में अच्छा काम किया
- महिलाओं को जागरूक करें कि लड़की-लड़के में कोई फर्क नहीं

आशा बहू को प्रमाणपत्र देते राज्यमंत्री हरिओम उपाध्याय।

उरई (जालौन)। स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं के जरिए जनसंख्या नियंत्रण में आशा बहुओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। यदि जनसंख्या नियंत्रण के प्रति सचेत न हुए तो हमें इसके दुष्परिणाम भुगतने होंगे। यह बात प्रदेश सरकार के होमगार्ड राज्यमंत्री हरिओम उपाध्याय ने कही। वह आज जीजीआईसी के सभागार में आयोजित आशा बहू सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रुप में संबोधित कर रहे थे।

राज्यमंत्री श्री उपाध्याय ने कहा कि देश में बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणाम हमारे सामने है। कहीं खाद्यान्न का संकट है तो कहीं पानी का संकट। लोग अधिक बच्चों की वजह से उन्हें बेहतर शिक्षा नहीं दिला पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनसंख्या पर नियंत्रण के लिए गांवों में तैनात आशा बहुओं, एएनएम बेहतर भूमिका निभा सकती है। लोगों को दो बच्चों के प्रति प्रेरित करें। राज्यमंत्री ने कहा कि आज लिंगानुपात में अंतर हो रहा है। लड़का लड़की में भेद को समाप्त करने के लिए जागरुकता अभियान चलाए जाने की जरूरत है।

संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक एसके सक्सेना ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में बेहतर कार्य करने वालों को हम प्रोत्साहित करने का भी अभियान चलाएंगे। आज गांवों में आशा बहुओं की बेतहर सेवाओं की वजह से गांवों में प्रसव की समस्या से गरीबों को राहत मिल सकती है। महिलाएं भी स्वास्थ्य के प्रति जागरुक हुई है। जिला परियोजना अधिकारी (परिवार कल्याण) डा.एलआर अहिरवार ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जच्चा बच्चा सुरक्षा अभियान प्रतिरक्षण,टीकाकरण जैसे तमाम अभियान चल रहे है। जिसमें बेहतर काम करने वालों को शासन प्रोत्साहित भी कर रहा है। इस मौके पर बेहतर काम करने वाली आशा बहू सुषमा देवी, अनीता, रामकुमारी, रानी, ऊषा, सुशीला, अर्चना देवी को पांच पांच हजार रुपए व प्रशस्ति पत्र देकर राज्यमंत्री ने सम्मानित किया। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एके अंवष्ट, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डा.देवेंद्र कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी जी प्रसाद, सिटी मजिस्ट्रेट आरके सिंह ने भी विचार रखए। संचालन प्रोफेसर अलका नायक ने किया।

# ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा देने वाली कड़ी है 'आशा'

मेरठ (एसएनबी)। चौधरी चरणसिंह विवि के बृहस्पति भवन में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत आशा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें जनपद के सभी 12 ब्लॉकों की आशा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में अपने-अपने ब्लॉक में सर्वोत्तम कार्य करने वाली तीन-तीन आशा कार्यकर्ताओं को नकद पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

सम्मेलन का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष राजबाला गौतम ने दीप प्रज्वलित करके किया। इस मौके पर जिला मुख्य चिकित्साधिकारी डा. सुबोध तिवारी ने कहा कि 'आशा' ग्रामीण क्षेत्र में चिकित्सा सेवाएं देने वाली ऐसी कड़ी है जिनका सहयोग प्रशंसनीय है। जिला मुख्य चिकित्साधिकारी ने कहा कि आशाओं को गिरते लिंग अनुपात से होने वाली समस्याओं की चर्चा जनता के बीच करनी चाहिए। इसके अलावा आशा कन्या भ्रूण हत्या को ...

आशा कार्यकर्ता जच्चा बच्चा सुरक्षा अभियान, सुरक्षित संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, परिवार कल्याण कार्यक्रम, पल्स पोलियो, जन्म मृत्यु पंजीकरण सहित अन्य कार्यक्रमों में सहयोग करती हैं। ये सेवा प्रदान करने पर उन्हें मानदेय का भुगतान किया जाता है। सम्मेलन में एलजेन्डर क्लब दिल्ली के एसएसवी कोर्डिनेटर डा. एमएन पाण्डेय, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. केपी सिंह, जिला क्षय रोग अधिकारी डा. संजय जोशी, जिला कुष्ठ रोग अधिकारी डा. सुधीर अग्रवाल, जिला अन्धता निवारण अधिकारी डा. सुशील कुमार, जिला मलेरिया अधिकारी डा. राजेश कुमार ने आशाओं को कई महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। कार्यक्रम के आयोजन में जिला स्वास्थ्य शिक्षा सूचना अधिकारी प्रदीप गौतम, ...

- कन्या भ्रूण हत्या रोकना हमारा कर्तव्य : डीपी यादव
- 'आशा' स्वास्थ्य योजनाओं से ग्रामीणों को लाभान्वित कराएं : डीएम

---

# उत्कृष्ट कार्य से आशाओं ने जिले का नाम किया रौशन

## डीएम बोले, आशाएं सफलता के लिए करें प्रयास

अमर उजाला ब्यूरो

चंदौली। आशा कार्यकत्रियों ने जनपद में नसबंदी, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव में जो उत्कृष्ट कार्य करके जिले का नाम रौशन किया है, वह सराहनीय है। यह कार्यक्रम एक बड़ा मिशन है जिसके लिए अभी और प्रयास करने की जरूरत है। उक्त बातें जिलाधिकारी विजय कुमार त्रिपाठी ने सोमवार को पालिटेक्निक परिसर में राष्ट्रीय ग्रामीण मिशन योजना के अंतर्गत जिला परिवार कल्याण विभाग के तत्वावधान में आशा दिवस सम्मेलन के उद्घाटन अवसर कही।

इस अवसर पर श्री त्रिपाठी ने कहा कि आशा कार्यकत्री अपने - अपने ग्रामों में मातृ शिशु एंव परिवार कल्याण के कार्यक्रम की सफलता के लिए सतत प्रयासरत है, जो यह प्रयास किसी समस्या को दूर करने व दूसरी आशाओं को राह दिखाने के प्रेरणा स्रोत साबित होगी। कहा कि आशा कार्यकत्रियों की स्वास्थ्य संबंधित योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।



स्थानीय पालिटेक्निक कालेज के सभागार में सोमवार को आशा सम्मेलन में बैठी आशाएं और एएनएम।

आज इस जिम्मेदारी का दायित्व आशा कार्यकत्रियों के कंधे पर है। उन्होंने जिले के उत्कृष्ट कार्य करने वाली 27 आशाओं को प्रथम पुरस्कार के रुप में 5000 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार दो हजार रुपये व तृतीय पुरस्कार के रुप में एक हजार एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। मुख्य विकास अधिकारी राधेश्याम ... ने कहा कि शासन की योजनाओं ... आमजन तक पहुंचाने की आशाएं ... हैं। जिला परियोजना अधिकारी परिवार कल्याण डा. अमर सिंह ने कहा कि शासन के निर्देश पर जच्चा बच्चा अभियान चलाया जा रहा है उसे पूर्ण करने में आशाओं की महत्व पूर्ण भूमिका होगी। जिससे हमार कार्यक्रम पूरी तरह सफल होगा।

उप जिला परियोजना अधिकारी डा.जीसी द्विवेदी ने मुख्य चिकित्साधिकारी डा.आरसी यादव के पत्र के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि हमारी एएनएम और आशाएं कमद से कदम मिला कर चले तो सफलता कदम चूमेगी। जिला परियोजना प्रबंधन डा.स्वाती सिंह ने कहा कि जच्चा बच्चा अभियान में 67009 गर्भवाती महिलाओं और शून्य से 1 वर्ष तक के 60039 के लक्ष्य को पुरा करने के लिए एक आशा को तीस का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इससे शिशु मृत्यु दर में कमी लाया जा सके। इस अवसर पर डा. केके यादव, डा. उमाशरण, डा. विकास सिंह, एमलाल गौतम, इंद्रवाती देवी, शकुंतला देवी, विद्युत प्रकाश आदि उपस्थित थे। संचालन डा.पीके चतुर्वेदी ने किया।

---

# सम्मान पाकर जगी आशा की किरण







---

# आशा पर टिकी स्वास्थ्य विभाग की 'आशा'

## आशाओं का हुआ सम्मान, हाकिमों ने किया गुणगान

गोंडा में सोमवार को टाउन हाल में आशा सम्मेलन का दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन करती जिला पंचायत अध्यक्ष।

गोंडा। सोमवार को स्वास्थ्य विभाग ने बेहतर कार्य करने वाली 48 आशा बहुओं को नकद चेक देकर सम्मानित किया। अधिकारियों ने आशाओं को गांवों में स्वास्थ्य क्रांति की अग्रदूत बताते हुए जनमानस में जागृति फैलाने का आह्वान किया। आशा दिवस के अवसर पर टाउन हाल में आशा सम्मेलन का आयोजन किया गया। उद्घाटन करने के बाद जिला पंचायत अध्यक्षा ज्ञानमती ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन ग्रामवासियों तथा समाज के कमजोर वर्गों एवं महिलाओं के लिए वरदान है।

देवीपाटन मंडल के अपर निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉ. जगदीश प्रसाद ने कहा कि आशा बहुओं पर ही स्वास्थ्य विभाग की आशा है। उन्होंने कहा कि आशाओं को योजनाओं में मिलने वाला लाभ दिलाया जाएगा। सीएमओ डॉ. एमपी त्रिपाठी ने कहा कि आशा बहुओं को स्वास्थ्य योजनाओं के प्रति जागरूकता लाने का विशेष प्रयास करना चाहिए। परिवार कल्याण के जिला परियोजना अधिकारी डॉ. एमएम खान ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के उद्देश्यों एवं जच्चा बच्चा अभियान में आशाओं का अहम योगदान है। जिला स्वास्थ्य शिक्षा सूचना अधिकारी विपिन कुमार शुक्ला ने कहा कि यदि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की विभिन्न योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना है तो आशाओं को महत्व देना होगा। आशा बहू संघ के प्रान्तीय नेता दिली... शुक्ला ने कहा आशाओं को नियमि... मानदेय दिलाने एवं एएनएम भर्ती ... 50 प्रतिशत आरक्षण दिलाने के लि... लड़ाई लड़ी जायेगी। सम्मेलन ... चिकित्सक डॉ. अरूणिमा श्रीवास्त... डा. डीके शर्मा ने जच्चा बच्चा सुर... अभियान, टीकाकरण, मातृ शि... कल्याण के अनेक विषयों पर प्रक... डाला। कार्यक्रम में हेमा मिश्रा, प्री... सिंह, नीलम तिवारी, उषा देवी, नि... द्विवेदी, रूपदेवी, अमिता शुक्ला... दुर्गावती सिंह ने सांस्कृतिक कार्यक्र... प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में अपर मु... चिकित्सा अधिकारी डा. ओमप्रक... अमरनाथ, नीलम दूबे, नगर स्वा... अधिकारी डा. गयासुल हसन, ... बेसिक शिक्षा अधिकारी ... चौधरी आदि मौजूद थे।

روزنامہ ناظم رامپور (یو.پی.) 24 / اگست / 2010 / منگل

# رامپور ضلع میں نوزائیدہ بچوں کی شرح اموات زیادہ

## قومی دیہی ہیلتھ مشن کے زیر اہتمام رنگولی منڈپ میں سمیلن سے ضلع مجسٹریٹ کا خطاب

رامپور۔ ڈسٹرکٹ مجسٹریٹ ٹی این سنگھ نے کہا ہے کہ رامپور ضلع میں زچہ بچہ قومی

بنانے کی ذمہ داری محکمہ صحت کے افسران اور اس سے جڑے تمام لوگوں پر عائد

نسبندی اور ٹیکہ لگانے کے پروگرام میں رچپورہ ملک سید نگر شاہ آباد سوار ٹانڈہ



دیہی ہیلتھ مشن کا مقصد نوزائیدہ بچوں اور جنم دینے والی ماؤں کی شرح اموات کو کم کرنا ہے۔ وہ آج یہاں نواب گیٹ کے پاس رنگولی منڈپ میں قومی دیہی ہیلتھ مشن کے تحت آشا دیوس کے موقع پر آشاؤں کے اجتماع کو خطاب کر رہے تھے ضلع مجسٹریٹ نے شمع روشن کر کے سمیلن کا افتتاح کیا اس موقع پر سابق چیف میڈیکل آفیسر اے کے سنگھ ڈپٹی سی ایم او، اے کے پانڈے پروجیکٹ آفیسر نے ضلع مجسٹریٹ کا گلدستہ پیش کر کے ان کا خیر مقدم کیا اپنے خطاب میں ڈی ایم نے کہا کہ ضلع میں بچوں کی شرح اموات زیادہ ہے جس کے لئے یہ مہم چلائی جا رہی ہے۔ اس سے بچوں کی شرح اموات پر قابو پانے میں مدد ملے گی انھوں نے کہا کہ مہم کو کامیاب

ہوتی ہے۔ انھوں نے کہ گاؤں میں سروے کا کام ابھی پورا نہیں ہوا ہے۔ 150 پریواروں پر ایک آشا کام کر رہی ہے۔ جسے 150 پریواروں کی نشاندہی کر کے بچوں کی شرح اموات اور پیدائش کا جائزہ لینا ہوگا تبھی صحیح آنکڑے سامنے آسکیں گے ضلع مجسٹریٹ نے کیا کہ جو کارکنان بہتر کارکردگی کا مظاہرہ کریں گے انہیں ضلع اور ریاستی سطح پر انعام سے نوازا جائے گا۔ آشاؤں آنگن باڑی اور ANM کے درمیان آپسی تال میل بہتر ہونے پر زور دیتے ہوئے انھوں نے کہا کہ معلومات کے تبادلے کے اچھے نتائج برآمد ہو سکتے ہیں اور اس سے حاملہ خواتین کو ٹیکہ لگانے اور دوائی کی تقسیم میں بھی مدد ملے گی اس موقع پر نارمل ٹریل ڈلیوری

بلاسپور چمروہ کی آشاؤں کو ہر ایک بلاک کی تین آشاؤں کو بہتر کارکردگی کے لئے پانچ ہزار دوسرے نمبر پر آنے والی آشاؤں کو دو ہزار اور تھرڈ پوزیشن پر ایک ہزار روپے کی رقم کے چیک اور توصیفی سرٹیفکیٹ کل ملا کر 21 آشاؤں کو ڈی ایم کے ہاتھوں تقسیم کئے گئے۔ اس کے علاوہ بچیوں کی پیدائش پر خوشی اور استقبالی گیت ایشوروندنا اور دلچسپ رنگارنگ کے ثقافتی پروگرام پیش کرنے پر چیف میڈیکل آفیسر ایس مجین اور پروجیکٹ آفیسر ایس کے پانڈے کے ہاتھوں فرسٹ آشاؤں کو 2 ہزار سیکنڈ 12 سو روپے اور تھرڈ کو آٹھ سو روپے کا بطور انعام دیئے گئے۔ ضلع پروجیکٹ آفیسر نے حاملہ خواتین کا رجسٹریشن اور ڈلیوری سے قبل ان کی تین بار جانچ کرانے کی ہدایت کی۔ سروجن بتائے۔ سروجن سکھائے پالیسی کے تحت زچہ بچہ تحفظ مہم کے بارے میں انھوں نے آشاؤں کو اہم جانکاری کی پروگرام کی نظامت محکمہ صحت کے چندر شیکھر شاکیہ نے کی اس تقریب میں چیف ڈیولپمنٹ آفیسر ڈاکٹر بھاسکر اپادھیائے، چیف میڈیکل آفیسر ایس کے جین، ڈپٹی پی او قومی دیہی ہیلتھ مشن پروگرام ایڈیشنل سی ایم او وی این چوبے، ایس پی پانڈے، ڈپٹی سی ایم او تیاگی اے کے سنگھ، ضلع ملیریا آفیسر ہری اوم ورما، چیف میڈیکل سپرنٹنڈنٹ شریواستو آر کے گپتا، بھی موجود تھے۔

## پنچایت چناؤ میں ڈیوٹی

### ایک درجن ایمرجنسی سروس کے محکمہ ڈیوٹی سے مستثنیٰ

رامپور۔ یہاں رامپور ضلع میں پنچایت چناؤ کی تیاریاں زور وشور سے جاری ہیں ضلع بھر میں 1700 بوتھ بنائے جائیں گے اور ہر ایک بوتھ پر چار سرکاری ملازمین اور ایک ریٹرننگ آفیسر کی ڈیوٹی لگائی جائے گی۔ پولس بھی ہر ایک بوتھ پر موجود رہے گی چناؤ کمیشن نے ایمرجنسی سروس کے تحت میں آنے والے محکموں کے اہلکاروں کو پنچایت چناؤ سے دور رکھنے کی ہدایت کی ہے۔ ان میں ڈسٹرکٹ جج کے ملازمین بھی شامل ہیں کمیشن نے کہا ہے کہ اگر ضروری ہو تو ہائی کورٹ کے رجسٹرار سے پہلے اجازت لی جائے اس کے علاوہ ڈسٹرکٹ ہاسپٹل فائر بریگیڈ محکمہ جنگلات کے افسران مویشی اسپتال کے ڈاکٹر و اہلکاروں آل انڈیا ریڈیو، BSNL، تکنیکی ملازمین، پاور کارپوریشن کی بھی ڈیوٹی پنچایت چناؤ میں نہیں لگائے جائے گی۔ اس طرح قریب ایک درجن محکمہ ایسے

---

THE TIMES OF INDIA, KANPUR
WEDNESDAY, SEPTEMBER 1, 2010

**TIMES CITY**

Times of India

# Population control: ASHA workers role crucial

TIMES NEWS NETWORK

**Kanpur:** There is an urgent need to control population by creating awareness among the rural masses. The accredited social health activist (ASHA) workers can play a significant role in the implementation of the health schemes, divisional commissioner Amit Ghosh said.

On the occasion of ASHA Diwas held at Lajpat Bhawan here on Tuesday, district magistrate Mukesh Meshram, chief medical officer Ashok Mishra and other health officers were present. Thousands of ASHA workers from different blocks of the district also took part in the function.

The officials said that ASHAs could play an active role to eradicate the myths related to institutional delivery. Stressing upon the importance of institutional deliveries and complete immunisation of infants, chief medical officer Ashok Mishra said: "ASHA workers can play a crucial role in bringing down the infant mortality and maternal mortality rate by motivating pregnant women in rural areas to register under Jannani Surksah Yojna."

Several ASHA workers were awarded for their services. From each block, the best three worker got an amount Rs 5,000, Rs 2,000 and Rs 1,000 for their contribution in rural health services.

The doctors and specialists advised the ASHAs and gram pradhans to being the women immediately at nearest health centres for examination and enrolment at the time of delivery. As a precautionary step and avoiding anaemia, they should be asked to consume iron folic acid tablets and concentrate on nutritious and balanced diet. Use only iodine salt and pay special attention on personal hygiene.

The programme ended with a cultural programme by ASHA workers.

24 अगस्त, 2010 जागरण सिटी www.jagran.com
फैजाबाद

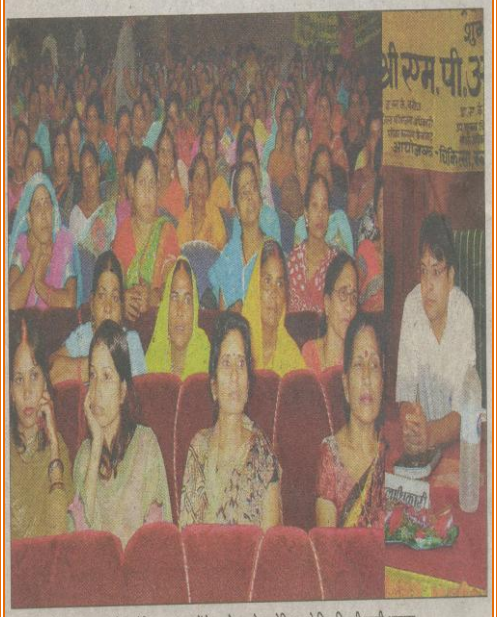




साकेत महाविद्यालय सभागार में आयोजित आशा बहुओं के सम्मेलन को सम्बोधित करते जिलाधिकारी एमपी अग्रवाल

# 'आशा' के कारण सुधरी चिकित्सा व्यवस्था : डीएम

फैजाबाद, 23 अगस्त : आशाओं ने चिकित्सा व्यवस्था को नई दिशा दी है। इनकी कर्मठता और तत्परता से ग्रामीण क्षेत्र में कमजोर पड़ रही चिकित्सा व्यवस्था को नई मजबूती मिली है। इनके आ जाने से ग्रामीण क्षेत्र की चिकित्सा व्यवस्था अब भगवान भरोसे न रह कर कुशल चिकित्सकों के हाथ मे पहुंच गई है। यह विचार जिलाधिकारी एमपी अग्रवाल ने व्यक्त किया। वह साकेत महाविद्यालय में आयोजित आशा बहू सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि चिकित्सा व्यवस्था में आशा बहुओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ग्रामीण क्षेत्र की जनता को बेहतर चिकित्सा व्यवस्था मुहैया कराने में आशा बहुओं का महत्वपूर्ण योगदान है। आशाओं को अपने ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए तभी जाकर स्वस्थ्य समाज की परिकल्पना पूर्ण हो सकती है। उन्होंने कहा कि आशा बहुएं एकजुट होकर शुरु हो रहे जच्चा बच्चा सुरक्षा अभियान को भी सफल बनाएं। जिलाधिकारी ने आशा बहुओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस योजना में उन्हें प्रोत्साहन स्वरुप शासन से जो भी मिलेगा उसे आशा बहुओं में बांट देंगे। अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डा. ओपी वर्मा ने आशाओं के कार्यों की सराहना करते हुए मंडल स्तर पर उनकी उपलब्धियों के बारे में बताया। जिला परियोजना अधिकारी परिवार कल्याण डा. एनके बनौधा ने आयोजन के बारे में विस्तार से बताते हुए आशा बहुओं को उनके दायित्वों का निष्ठा के साथ निभाने की आवश्यकता बताई।

- आशा बहू सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम
- उत्कृष्ट कार्य करने वाली आशा बहुएं हुई पुरस्कृत

मण्डलीय माइक्रो न्यूट्रियेन्ट नीलम दूबे ने स्तनपान एवं विटामिन-ए के महत्व पर प्रकाश डाला। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. एके गुप्ता जच्चा-बच्चा सुरक्षा अभियान के बारे में विस्तार से बताया। क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभिन्न ब्लाकों की 37 आशा बहुओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार दिया गया। प्रथम पुरस्कार के रुप में पांच हजार का चेक, द्वितीय पुरस्कार के रुप में दो हजार तथा तृतीय पुरस्कार स्वरुप एक हजार रुपये का चेक आशा बहुओं को प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में आशा बहुओं द्वारा नुक्कड़ नाटक, वाद-विवाद प्रतियोगिता, फोक डांस आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने वाली आशाओं को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम को जिला कुष्ठ अधिकारी डा. शशिकांत, हरित सक्सेना, डा. देशबंधु, राकेश तिवारी, अनिल कुमार सहित एएनएम व ग्राम प्रधान काफी संख्या में मौजूद रहे।

**रामलीला की तैयारी बैठक 26 अगस्त को-फैजाबाद, 23 अगस्त (जाका):** साहबगंज की विख्यात रामलीला की तैयारी ने स्थानीय गणमान्य नागरिकों व श्रीराम जानकी मन्दिर साहबगंज फैजाबाद समिति के सदस्यों की बैठक आगामी 26 अगस्त को सायं छह बजे मंदिर परिसर में होगी। यह सूचना मन्दिर के रिसीवर सुरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने दी।

# आशाओं के ठुमकों पर जमकर बजीं तालियां

24 अगस्त अमर उजाला

## जिला स्तरीय आशा सम्मेलन में डीएम ने किया प्रतिभागियों को पुरस्कृत

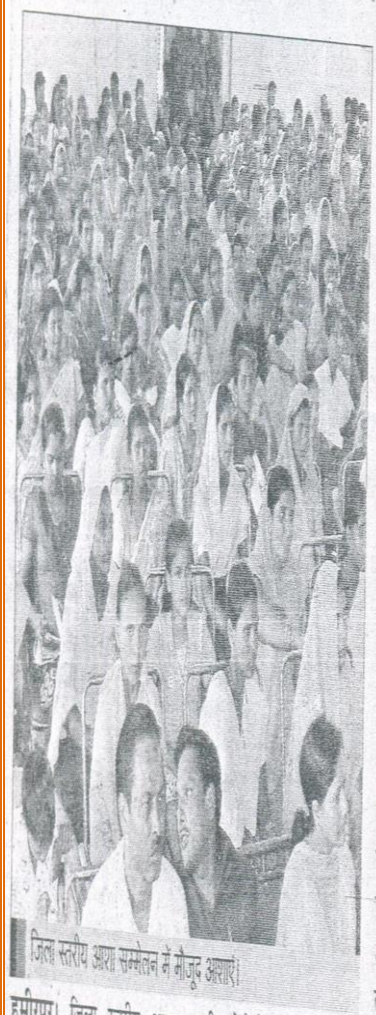



जिला स्तरीय आशा सम्मेलन में मौजूद आशाएं।

हमीरपुर। जिला स्तरीय आशा सम्मेलन में आशाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में जमकर ठुमके लगाए तो हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। जिलाधिकारी जी श्रीनिवास ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाली आशाओं को पुरस्कृत कर कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के लिए कई योजनाएं चला रही है। जो इन योजनाओं को जनता तक पहुंचाएगी उन्हें इसका मानदेय मिलेगा।

नगर स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय में स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयोजित आशा सम्मेलन का शुभारंभ डीएम ने सरस्वती पर दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में वंदना गीत उमादेवी व सोमवती, स्वागम गीत ज्ञान देवी, रामकुमारी और जयबाई ने प्रस्तुत किया। वहीं गीता चौरसिया ने फिल्मी धुनों पर आशा गीत प्रस्तुत किया तो पूरे पंडाल में तालियां बजने लगी। कन्या भ्रूण हत्या गीत आरती ने, सास बहू पर नाटक ममता, व आशा रानी, टीकाकरण लोक गीत सुषमावती व मंजू, महिला और पुरुष नसबंदी गीत उर्मिला, मंजू, दयावती, नंदनी, प्रेमलता, पार्वती ने प्रस्तुत किया। इसी तरह आशा अनीता, देवकुवर, राजेश्वरी, कौशिल्या, राजकुमारी, सुनीता, सरोजनी, विद्यादेवी, नसरीन, भोली ने भाषण, कजली, प्रसव, दहेज, जच्चा बच्चा, अनपढ़ आदि गीतों में जमकर ठुमके लगाए। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. एआर सिद्दीकी, डीपीओ डा. ओपी श्रीवास्तव, महिला सीएमएस डा. मधुबाला वर्मा ने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर डा. आरएस यादव, डा. अशोक कुमार, डा. सुखलाल वर्मा, डा. आशुतोष मिश्रा, डा. किरन सचान, डा. आरबी गौतम डीसीएम सुरेंद्र कुमार, शिव कुमार समेत कई चिकित्सक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन जलीस खान ने किया।

### पुरस्कृत होने वाली आशाएं

हमीरपुर। एक साल बाद आशाओं को टीकाकरण और प्रसव का प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार दिया गया। इसमें कुरारा ब्लाक से रहीसा बानो प्रथम, रामसखी द्वितीय, अर्चना गौतम तृतीय, सुमेरपुर से अंजुम बानो प्रथम, प्रभा द्वितीय, मीरा तृतीय, मौदहा से कृष्णकांती प्रथम, पूनम वर्मा द्वितीय, रमाकांती ने तृतीय पुरस्कार पाया। इसी तरह मुस्करा ब्लाक की तारा प्रथम, शीला द्वितीय, पार्वती तृतीय, नौरंगा की रामकुमारी प्रथम, भुवानी देवी द्वितीय, ऊषा देवी तृतीय, गोहांड की रेखारानी प्रथम, सुशीला द्वितीय तथा उर्मिला तृतीय, धगावां की मंजूदेवी प्रथम, मूरत देवी द्वितीय और नंदनी तृतीय रहीं। प्रथम को पांच हजार, द्वितीय को दो हजार और तृतीय स्थान पाने वाली आशा को एक-एक हजार रुपए दिए गए।

आशा दिवस पर सम्मेलन में मौजूद जिलाधिकारी व स्वास्थ्य विभाग के अफसर और सम्मेलन में जुटीं जिले भर की आशा बहुएँ • हिन्दुस्तान

# आशा बहुओं की तारीफ में कसीदे

हिन्दुस्तान संवाद

अयोध्या

23 अगस्त 2005 को राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) की शुरूआत के साथ ही आशा बहुओं की परिकल्पना भी साकार हुई। तभी से 23 अगस्त आशा दिवस के रूप में मनाया जाता है। आशा बहुओं ने भगवान भरोसे चलने वाली चिकित्सा व्यवस्था में उम्मीद की किरण बिखेरी है।

यह उद्गार जिलाधिकारी एमपी अग्रवाल ने साकेत महाविद्यालय के आचार्य नरेन्द्र देव प्रेक्षागृह में आशा दिवस पर आयोजित आशाबहुओं के सम्मेलन में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य यह है कि मातृ-शिशु मृत्यु दर को घटाने के लिए भारत सरकार की ओर से चलाए जाने वाले टीकाकरण अभियान में उ.प्र. सबसे पिछड़े राज्यों में है। यहाँ अब तक मात्र 30 प्रतिशत टीकाकरण ही हो सका है। उन्होंने डीएम को मिलने वाले मानदेय को सभी में वितरित करने का वायदा भी किया।

इससे पहले दीप प्रज्ज्वलित कर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए अपर निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉ. ओपी वर्मा ने आशाबहुओं को ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की नींव बताया और अपने-अपने क्षेत्रों में पूर्ण टीकाकरण के लिए सभी गर्भवती माताओं को चिह्नित करने की अपील की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मण्डल में हुए 8577 संस्थागत प्रसव में से 7311 यानि लगभग 85 प्रतिशत प्रसव आशा बहुओं की देन हैं।

जिला परियोजना अधिकारी डॉ. एनके बनौधा ने प्रदेश में आशा बहुओं की नियुक्ति के पूर्व की तुलना करते हुए बताया कि वर्ष 2005 में एक लाख संस्थागत प्रसव के सापेक्ष वर्ष 2010 में संस्थागत प्रसव की संख्या 20 लाख हो गई है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने इस उपलब्धि को देखते हुए 2012 में समाप्त होने वाले एमआरएचएम को पाँच साल बढ़ा कर वर्ष 2017 तक चलाने का निर्णय लिया है। उन्होंने सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि गंभीर स्थिति में जच्चा-बच्चा को जिला अस्पताल में भर्ती करने वाली आशा को दो सौ रुपए एवं गर्भवती माताओं के पंजीकरण पर 30 रुपए व टीकाकरण के लिए 20 रुपए अतिरिक्त दिए जाएँगे। उन्होंने स्वास्थ्य बीमा योजना की जानकारी देते हुए बताया कि इसके अंतर्गत बीपीएल कार्ड धारक परिवार के पाँच सदस्यों को अधिकतम 30 हजार तक की इलाज की व्यवस्था है लेकिन इसके लिए मरीज को जिला अस्पताल के अतिरिक्त चिह्नित सरकारी व निजी अस्पतालों में भर्ती कराना होगा। सम्मेलन में मण्डलीय माइक्रोन्यूट्रियेन्ट नीलम दुबे व जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एके गुप्त ने भी जच्चा-बच्चा अभियान को गति देने की अपील की। इस अवसर पर आशा बहुओं ने लोक गीतों, नुक्कड़ नाटकों व अन्य प्रतियोगिताओं के माध्यम से जच्चा-बच्चा सुरक्षा का संदेश दिया और लड़कियों के महत्व को भी रेखांकित किया। सम्मेलन में जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. शशिकांत, मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक हरित सक्सेना, जिला कम्युनिटी मोबलाइजर, महिला ग्राम प्रधान, चिकित्सक व एएनएम समेत आशा बहुओं ने हिस्सा लिया।

### आशा दिवस पर सम्मेलन

- भगवान भरोसे चलने वाली चिकित्सा व्यवस्था में आशा बहुओं ने जगाई उम्मीद की किरण: डीएम
- ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की नींव हैं आशा :अपर निदेशक
- वर्ष 2005 के सापेक्ष वर्ष 2010 में एक लाख से बढ़ कर 20 लाख हुआ संस्थागत प्रसव :डीपीओ

## लखनऊ हादसे की छाया मँडराती रही

**अयोध्या।** आशा दिवस पर साकेत महाविद्यालय में आयोजित आशा बहुओं के सम्मेलन पर लखनऊ में टीकाकरण के बाद हुए चार बच्चों के मौत के हादसे की काली छाया मँडराती रही। इस हादसे के चलते आशा बहुओं के मन में घुमड़ते प्रश्नों का समाधान करते हुए एनआरएचएम के जिला परियोजना अधिकारी डॉ. बनौधा ने कहा कि विटामिन ए की खुराक में कभी-कभी ऐसी घटनाओं की आशंका रहती है।

इसी कड़ी में माइक्रोन्यूट्रियेंट डॉ. नीलम दुबे ने विटामिन ए की खुराक बच्चों को पिलाने के सम्बन्ध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विटामिन ए से आँखों की रोशनी ही नहीं, बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। उन्होंने इसके माताओं के स्तनपान पर जोर देते हुए कहा कि जन्म के तुरन्त बाद माँ का दूध मिलते ही बच्चों का पहला टीकाकरण हो जाता है। इसलिए पहले छह माह में माँ के स्तनपान कराने की विशेष आवश्यकता है।

राज्य मे प्रकाशित विभिन्न समाचार पत्नों ने कार्यक्रम को सुन्दर तस्वीरों सहित विस्तार से छापकर जन सामान्य तक पँहुचाने का प्रयत्न किया

www.rashtriyasahara.com | 6 | सहारा महानगर कानपुर — कानपुर, बुधवार • 1 सितम्बर • 2010

राष्ट्रीय सहारा

# आशाओं ने लिया जच्चा-बच्चा की सुरक्षा का संकल्प



(1) मोतीझील लाजपत भवन में आयोजित आशा सम्मेलन में भाग लेती महिलाएं (2) सम्मेलन का शुभारंभ करते मंडलायुक्त अमित कुमार घोष (3) सम्मेलन में मच्छरों की लगायी गयी प्रदर्शनी तथा नाटक प्रस्तुत करतीं आशा बहुएं। फोटो : एसएनबी

कानपुर, (एसएनबी)। लाजपत भवन मोतीझील में मंगलवार को आयोजित आशा दिवस सम्मेलन में मौजूद सैकड़ों आशा बहुओं को यह संकल्प दिलाया गया कि सबको स्वास्थ्य रखने के आंदोलन में जच्चा बच्चा की सुरक्षा के साथ मोतियाबिंद, कुष्ठ निवारण, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, बच्चों की निःशुल्क जांच सम्बंधी कार्यक्रमों पर भी ध्यान देकर अपना दायरा बढ़ाएं। साथ ही यह संकल्प भी लें कि उनके एक हजार आबादी वाले कार्यक्षेत्र में किसी जच्चा व बच्चा की मौत टीकाकरण व इलाज के अभाव में नहीं होगी।

> ▶ लाजपत भवन में आशा दिवस सम्मेलन
>
> ▶ अन्य कार्यक्रमों पर भी ध्यान देने की अपील

तीन घंटे देरी से दोपहर बारह बजे सम्मेलन का शुभारम्भ मुख्य अतिथि मंडलायुक्त अमित कुमार घोष ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर आशा बहुओं ने ढोलक की थाप पर स्वागत गीत गाया। कार्यक्रम की शुरुआत में बिल्हौर ब्लाक की आशा कमलेश पांडे, पुष्पा, मंजू ने गांव-गांव व गली-गली में आशा घूम रही' सुनकर समां बांधा।

संबोधन में मंडलायुक्त अमित कुमार घोष ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन सबको स्वास्थ्य रखने का एक आंदोलन है। उन्होंने आशाओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि वह मानदेय से ऊपर उठकर यह समझकर काम करें कि जच्चा व बच्चा की सेवा भगवान की सेवा है। उन्होंने आशाओं से कार्यक्रमों में भी सक्रियता दिखाने की अपील की। वहीं स्वास्थ्य अधिकारियों से उनके मानदेय भुगतान सही समय पर कराने को कहा। श्री घोष ने बताया, आशाओं की समस्या सुनने के लिए हेल्पलाइन सेवा शुरू की जा रही है, जिसमें वह अपनी पीड़ा मोबाइल पर अधिकारियों को बता सकेंगी। डीएम मुकेश कुमार मेश्राम ने नयी जच्चा-बच्चा सुरक्षा योजना के बारे में जानकारी दी।

इसके पूर्व सीएमओ डा. अशोक मिश्र ने कहा, जच्चा व बच्चा में कुपोषण की समस्या के लिए समाज दोषी है। आशाएं उन्हें जागरूक करें। इसके साथ ही आबादी में मौजूद 23 फीसदी किशोर-किशोरियों के स्वास्थ्य व उनके प्रश्नों का समाधान भी करें। कन्या भ्रूण हत्या करने वालों का पता चलने पर इसकी शिकायत पोस्टकार्ड के माध्यम से डीएम को भेजें। उन्होंने आशाओं से कहा कि इस मौसम में वह मलेरिया, स्वाइन फ्लू व डेंगू बीमारी के प्रति सावधान रहें। अंत में उन्होंने संकल्प दिलाया कि उनके क्षेत्र में कोई भी मां व बच्चा टीकाकरण व इलाज के अभाव में नहीं मरेगा। मंच पर अपर निदेशक मंडल डा. [illegible] सिंह, फर्रुखाबाद के ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अमित [illegible], जिला परियोजना अधिकारी व एसीएमओ डा. [illegible] आदि मौजूद थे।

## प्रदर्शनी में दिखा देहली सुजानपुर का डेंगू मच्छर

कानपुर। आशा दिवस सम्मेलन के मौके पर लाजपत भवन परिसर में प्रदर्शनी लगायी गयी, जिसमें फाइलेरिया में दर्शाए गए मलेरिया, डेंगू मच्छरों के लार्वा व मच्छर देखने के लिए लोग आतुर रहे। वेक्टरजनित डिजीज नियंत्रण कार्यक्रम वाले स्टाल में लार्वा से मच्छर बनने की प्रक्रिया दर्शायी गयी। इसके अलावा एक स्टाल में मच्छर दानी के अंदर छोटे बच्चे दिखाए गए थे। इसके माध्यम से मच्छर जनित रोगों से बचाव का संदेश दिया गया। डेंगू का जिंदा मच्छर देहली सुजानपुर से लाया गया था। हालांकि बाद में वह फाइलेरिया के अंदर मर गया। इसके अलावा कुष्ठ नियंत्रण कार्यक्रम, अंधता निवारण, टीबी कार्यक्रम व अन्य योजनाओं से सम्बंधित स्टाल लगे थे।

## संस्थागत प्रसव व नसबंदी में अव्वल आशाएं पुरस्कृत

कानपुर। जिला स्तरीय आशा दिवस सम्मेलन में संस्थागत प्रसव, नसबंदी व टीकाकरण कराने में बेहतर प्रदर्शन करने वाली आशाओं को पांच हजार रु से एक हजार रु का पुरस्कार व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें 16 पुरुषों को नसबंदी के लिए प्रेरित करने वाली आशा बहू विजय कुमारी भी शामिल थीं। मंडलायुक्त व डीएम ने सभी आशाओं को पुरस्कार का वितरण किया। प्रथम पुरस्कार स्वरूप पांच हजार की चेक पाने वालों में ससमौली की कमलेश कुमारी, बिधनू-रामदेवी पाल, भीतरगांव से वंदना शुक्ला, संतोष कुमारी-पतारा, घाटमपुर-गुलशन, चौबेपुर- मीना कुशल, शिवराजपुर-उमा सिंह, बिल्हौर- विजय कुमारी, ककवन- किरन सिंह व अन्य आशाएं शामिल थीं। द्वितीय पुरस्कार में दो हजार रु व तृतीय पुरस्कार में एक हजार रु की चेकें प्रदान की गयीं। बिल्हौर की विजय कुमारी ने 61 प्रसव व 16 पुरुष नसबंदी करायी। सम्मेलन में प्रदर्शनी के साथ नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया।

---

# आशायें पूर्ण सेवाभाव व निष्ठा से अपने कर्त्तव्यों का पालन करें : जिलाधिकारी




आशा दिवस के अवसर पर डी एम के रविन्द्र नायक सम्बोधित करते हुए

अलीगढ 23 अगस्त। आशाओं को चाहिये कि वह पूरे सेवा भाव व निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का पालन करें तथा शासन द्वारा संचालित की जा रहीं स्वास्थ्य योजनाओं को प्रत्येक ग्रामीण को जानकारी देकर पात्र को लाभान्वित करायें। जिस तरहे से फूल खिलकर सारे चमन में अपनी खुशबू बिखेरता है, ठीक उसी तरह मेहनती व्यक्ति के कार्यों की खुशबू स्वतः ही वातावरण में फैल जाती है और सूर्य की भाँति वह व्यक्ति स्वतः ही प्रकाशमान हो उठता है।

उक्त उद्गार नवागत जिलाधिकारी श्री के0 रवीन्द्र नायक द्वारा आज सम्राट लाज में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आशा दिवस पर मनाये जा रहे आशा सम्मेलन में व्यक्त किये गये। जिलाधिकारी ने आशाओं को स्वास्थ्य विभाग की सबसे छोटी और अत्यन्त महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुये नियमित काउन्सिलिंग किये जाने पर बेहद जोर देते हुये कहा कि यदि जच्चा बच्चा स्वस्थ्य है तो परिवार स्वस्थ्य, यदि परिवार स्वस्थ्य है तो गाँव स्वस्थ्य और जब गाँव स्वस्थ्य तो प्रदेश स्वास्थ्य। क्योंकि खुशहाल प्रदेश का रास्ता गाँव से होकर ही गुजरता है। उन्होंने परियोजना अधिकारी को निर्देशित किया कि वह आशाओं के मानदेय सहित अन्य सुविधाओं का विशेष ध्यान रखें। जिलाधिकारी ने सम्मेलन के माध्यम से कहा कि किसी को यदि जिला प्रशासन सहित अन्य किसी विभाग से किसी तरह की कोई शिकायत या व्यवस्था में सुधार हेतु कोई सुझाव देना है, तो वह मेरे पास चलकर आने के बजाये पोस्टकार्ड के माध्यम से अवगत करा दें। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हेतु रिक्त पडे स्वास्थ्य केन्द्रों पर नियमानुसार भर्ती करने के डीपीओ एवं सीएमओ को निर्देश दिये। डीएम ने कहा कि यदि कोई आशा प्रत्येक घर-घर जाकर अपने दायित्वों को अंजाम तक पहुँचाने में कोताही बरतेंगी तो उन्हें सेवा से वंचित कर दिया जायेगा। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में प्रसव के दौरान यदि जच्चा बच्चा की मृत्यु हुई है तो जिला प्रशासन उसकी वजह के लिये तह में जाने का प्रयास कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने संस्थागत एवं सुरक्षित प्रसव पर जोर देते हुये कहा कि वह जनपद की आइडियल आशाओं को राज्य स्तर पर सम्मानित करने हेतु शासन को लिखेंगे।

आशा सम्मेलन की अध्यक्ष श्रीमती रामसखी कठेरिया ने अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिये प्रथम स्थान पाई आशा को 5 हजार, द्वितीय स्थान प्राप्त आशा को 2 हजार तथा तृतीय स्थान प्राई आशा को 1 हजार रूपये का पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने कहा कि शासन ने आशाओं को ग्रामीण क्षेत्र में अहम जिम्मेदारी सौंपी है। संस्थागत एवं सुरक्षित प्रसव कराते हुए जच्चा व बच्चा की मृत्यु दर को शून्य पर लाना प्रत्ये आशा का लक्ष्य होना चाहिये। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने आशाओं के मानदेय में काफी बढ़ोत्तरी की है तथा उनके मानसम्मान का पूरा-पूरा ध्यान रखा है। उन्होंने आशाओं से अपील की कि वह मानदेय को ध्यान में न रखकर निस्वार्थ भाव से शासन द्वारा संचालित की जा रहीं स्वास्थ्य योजनाओं को दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचारित प्रसारित कर उनका लाभ प्रत्येक जरूरतमन्द तक पहुँचायें।

परियोजना अधिकारी डा0 राजेश कुमार खट्टर ने बताया कि आशा सम्मेलन आयोजित कराने में शासन की मंशा आशाओं को प्रोत्साहित करने की है। उन्होंने आशाओं की ...

प्रथम पृष्ठ का शेष

## आशायें पूर्ण निष्ठा....

...जिम्मेदारियों के बारे में बताया कि शासन ने आशाओं पर जन्म मृत्यु पंजीकरण, टीकाकरण, संस्थागत एवं सुरक्षित प्रसव के साथ ही परिवार नियोजन को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी सौंपी है। आशा दिवस समारोह का शुभारम्भ जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रामसखी कठेरिया एवं जिलाधिकारी के0 रवीन्द्र नायक द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। अतिथियों के सम्मान में स्वागत गीत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हरदुआगज की आशाओं ने प्रस्तुत किया। समारोह में भाग लेने आयी आशाओं ने सॉस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा नसबन्दी, परिवार कल्याण, सुरक्षित प्रसव के प्रति जागरूकता फैलाने सहित बालिका भ्रूण हत्या सहित अन्य तरह-तरह की कुरीतियों के प्रति जागरूक करने के बारे में गीत, भाव नृत्य, नाटक तथा क्षणिकायें भी प्रस्तुत की। समारोह में आयोजित की गयी वादविवाद प्रतियोगिता में लोधा की दीपा कौशिक को प्रथम, छर्रा की नीलम को द्वितीय, हरदुआगज की पुष्पा चौधरी को तृतीय, मेंहदी प्रतियोगिता में इगलास की सुमनदेवी को प्रथम, बिजौली की रूबी देवी को द्वितीय, गीता शर्मा को तृतीय, गुब्बारा प्रतियोगिता में खैर की मंजू देवी को प्रथम, इगलास की प्रदेश को द्वितीय, गोंडा की देवेन्द्री को तृतीय, रगोली प्रतियोगिता में लोधा की करूणा रानी को प्रथम, हरदुआगज की प्रेम कुमार को द्वितीय, शशि सिंह को तृतीय, सुई धागा प्रतियोगिता में टप्पल की विदेश को प्रथम, जवॉं की रोशनदेवी को द्वितीय तथा इगलास की ममता देवी को तृतीय पुरस्कार जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा दिया गया।

आशा सम्मेलन में दीप प्रज्वलन के उपरॉन्त मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 उमॉकान्त गुप्ता ने जिलाधिकारी के0 रवीन्द्र नायक को तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रामसखी कठेरियां को परियोजना अधिकारी डा0 राजेश कुमार खट्टर द्वारा को महकते फूलों का गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मेलन का संचालन डा0 राहुल कुलश्रेष्ठ ने किया। इस अवसर पर जिला मलखान सिंह चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 बाल किशन, डा0 मनोहर लाल, डा0 नजीर हैदर, डा0 पहल सिंह, डा0 के0 के0 गुप्ता सहित स्वॉस्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

---

# भ्रूण हत्या के पीछे दहेज दानवों का हाथः रंगनाथ

सीतामढ़ी (भदोही) : बालिका आशीर्वाद योजना से सूबे की तस्वीर बदली है। अब गरीब परिवार की बेटियां पैदा होते ही लखपति बन जायेंगी। भ्रूण हत्या के पीछे दहेज दानव का हाथ रहा है।

यह बातें कही सूबे के माध्यमिक शिक्षा मंत्री रंगनाथ मिश्र ने। वह सोमवार को सीतामढ़ी स्थित पं.कन्हैयालाल पुंज मल्टीपरपज हाल में आयोजित जनपद स्तरीय आशा सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को अभिशाप न समझा जाय इसके लिए प्रदेश सरकार ने महामाया बालिका आशीर्वाद योजना लागू किया। उन्होंने सम्मेलन में अन्य कई उपलब्धियां गिनाते हुए आशाओं को बढ़ चढ़कर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे क्षेत्रीय सांसद गोरखनाथ पांडेय ने कहा कि निरक्षर ग्रामीणों को स्वास्थ्य योजना की जानकारी पहुंचाने में आशाओं का सहयोग जरूरी है। इससे काफी हद तक ग्रामीण तबके में स्वास्थ्य योजनाओं के प्रति जागरुकता भी आयी है। सांसद ने कहा कि विश्व के अन्य देशों की तुलना में भारत में शिशु मृत्यु दर अधिक है। कहा कि अब देश की महिलाएं अबला नहीं रहीं।



आशा सम्मेलन को संबोधित करते शिक्षामंत्री रंगनाथ मिश्र व मंचासीन सांसद गोरखनाथपांडेय।

आज की तारीख में राष्ट्रपति से लेकर लोस अध्यक्ष, मुख्यमंत्री तथा यहां तक जिलाधिकारी भी महिला ही हैं। महिलाओं का देश में प्रमुख स्थान है। उन्होंने आशाओं के कार्य में आने वाली समस्याओं को दूर करने की दिशा में भी आश्वासन दिया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी डा.वीके दूबे ने कहा कि ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत आशाओं की तैनाती होती है। जिले में 1308 आशाएं हैं जिसमें 1150 कार्य कर रही हैं। 3600 प्रसव सरकारी अस्पतालों में किया गया। जिसमें दस माताओं (जच्चा) की मौत हुई है। 46 हजार टीकाकरण हुआ है। इसके पहले मंत्री रंगनाथ मिश्र व सांसद गोरखनाथ पांडेय ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। जिला परियोजना अधिकारी परिवार कल्याण डा.एसडी मिश्र ने कविता पाठ किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी श्रीमती कंचन वर्मा, एडी स्वास्थ्य यूके गुप्ता, बृजेश मिश्र, डीपीओ डा.एसडी मिश्र, डा.राहुल सिंह, डा.प्रेमशंकर, डा.जयनरेश, राम विलास सिंह, राजेश मिश्र, शशिप्रभा सिंह आदि कई शामिल रहे। संचालन प्रभारी चिकित्साधिकारी डा.गुलाब शंकर यादव ने किया।

## अच्छे कार्य के लिए सम्मानित की गयीं आशाएं

सीतामढ़ी (भदोही) : अच्छे कार्य के लिए आशाओं को प्रथम पुरस्कार के रूप में पांच हजार, द्वितीय में तीन हजार व तृतीय में एक हजार रुपये से पुरस्कृत किया गया। इस क्रम में सुरियावां विकास खंड से प्रथम पुरस्कार के रूप में ममता श्रीवास्तव, द्वितीय आरती मौर्य, तृतीय रागिनी सिंह। औराई ब्लाक से प्रथम शीला दूबे, सविता देवी मौर्य द्वितीय, डीघ में सुनीता श्रीवास्तव प्रथम, रेखा यादव द्वितीय व बेबी जायसवाल को तृतीय पुरस्कार से नवाजा गया।

# आशाएं गांव में खुशहाली लायें

चयनित आशाओं को पुरस्कार देते सीएमओ। जागरण



महिला महाविद्यालय में सम्मेलन में आयी आशाएं। जागरण

**महिला महाविद्यालय में आशा सम्मेलन**

हमीरपुर, कार्यालय संवाददाता : महिला महाविद्यालय में आशा सम्मेलन में जिलाधिकारी श्रीनिवास ने कहा कि आशायें गांव में होने वाली विभिन्न बीमारियों की देखभाल व सरकारी अस्पताल में सेवायें प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आशा बहुओं को यह कार्य जिम्मेदारी से निभाना चाहिए।

आशा बहू गांव में असुरक्षित महसूस न करें, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी प्रशासन की है। महिलाओं की जिम्मेदार है कि वह घर को साफ सुथरा रखकर पौष्टिक आहार दें। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आर ए सिद्दीकी ने कहा कि आशा सम्मेलन 23 अगस्त को पूरे देश में मनाया जाता है। आशायें सुरक्षित प्रसव के लिए गर्भवती महिलाओं को नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लायें। असुविधा होने पर तुरंत सूचना दें। जननी सुरक्षा योजना का चेक प्रसव के तुरंत बाद लाभार्थी को दिला दें। मानदेय व यात्रा व्यय वे प्राप्त करें। महिलायें किसी पुरुष से कम नहीं हैं। आशायें गांव में महिलाओं को जागरूक कर उन्हें स्वास्थ्य सुविधाओं के फायदे बतायें। जिससे गांव में फैला अंधविश्वास समाप्त हो सके।

हर घर में जाकर महिलाओं को सफाई के प्रति जागरूक करें। आशाओं को अपने मन में अच्छे काम करने की भावना जागृत करनी होगी। जिला परियोजना अधिकारी डा. ओ पी श्रीवास्तव ने कहा कि समाज के कमजोर वर्ग की महिलाओं व बच्चों को बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य सुविधायें दी जाती हैं। इससे मातृ व शिशु मृत्यु दर में कमी लायी जा सकेगी। आशायें अपनी मेहनत से गांव को खुशहाल बना सकती हैं।

बीते वित्तीय सा में अच्छा कार्य करने वाली आशा प्रथम को 5 हजार, द्वितीय को दो हजार, तृतीय को एक हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। इस प्रकार 21 आशायें सम्मानित की गयीं। यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। डा. आर एस यादव, डा. एल एल वर्मा, डा. आर बी गौतम, प्रशासनिक अधिकारी एस के पटेल ने सहयोग किया। संचालन जलीस खान, अनवर खान कर रहे थे।

कुरारा ब्लाक की रईसा बानो कंडौर प्रथम, रामसखी उमराहट द्वितीय, अर्चना गौतम कुतुबपुर तृतीय, सुमेरपुर की अंजुम बानो टेढ़ा प्रथम, प्रभा पत्यौरा द्वितीय, मीरा धुंधपुर तृतीय, मौदहा की कृष्णकांती ढीहा डेरा प्रथम, पूनम वर्मा नरायच द्वितीय, रमाकांती छिरका तृतीय, मुस्करा की तारा बसवारी प्रथम, शीला बिहूनी खुर्द द्वितीय, पार्वती मिहुना तृतीय, नौरंगा की रामकुमारी मवई प्रथम, भुवानी देवी मलवा द्वितीय, ऊषा देवी सदर तृतीय, गोहांड की रेखारानी बड़ा प्रथम, सुशीला करौंदी द्वितीय, उर्मिला करगवां तृतीय, धगवां में मंजू देवी खेड़ा प्रथम, मूरत देवी पचखुरा द्वितीय, नंदनी चंडौत तृतीय रहीं।

---

हिन्दुस्तान - 24 अगस्त मैनपुरी





आशा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते जिलाधिकारी सच्चिदानंद दुबे और कार्यक्रम से पहुंची आशाएं। • हिन्दुस्तान

# 'आशाओं की नियुक्ति से स्वास्थ्य सेवाएं सुधरीं'

**विश्व आशा दिवस पर 27 आशाओं को किया पुरस्कृत**

हिन्दुस्तान संवाद

मैनपुरी

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना के तहत विश्व आशा दिवस पर नगर के आवास विकास स्थित शैलेन्द्र पैलेश में सम्मान समारोह का आयोजन किया। समारोह में जनपद की 27 आशाओं को 72 हजार रुपये की धनराशि के चैक प्रदान किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ सीएमओ विनोद कुमार ने किया। समापन अवसर पर डीएम व मुख्य विकास अधिकारी ने आशाओं को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए चैक प्रदान कर सम्मानित किया।

जिलाधिकारी सच्चिदानंद दुबे ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में जब से आशाओं की नियुक्ति की गयी है तब से स्वास्थ्य की दशा में सुधार हुआ है। आशाओं को चाहिए कि वह शासन की मंशा के अनुसार स्वास्थ्य की प्रत्येक जानकारी लोगों तक पहुंचाए जिससे पीड़ित को समय से उपचार दिया जा सके। उन्होंने आशाओं के बेहतर कार्य के लिए उनकी प्रशंसा की।

मुख्य विकास अधिकारी जेबी सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना का लक्ष्य अभी पूरा नहीं हुआ है। ग्रामीण अंचल में तैनात आशाओं के कार्य से महिलाओं में जागरूकता पैदा हुई है। अभी भी कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जहां आशाओं को और अधिक मेहनत करनी होगी।

सीएमओ विनोद कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना को सफल बनाने के लिए सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। डीपीओ आरपी शुक्ला ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना को सफल बनाने के लिए बेहतर प्रयास जारी हैं। आशाओं की मेहनत के चलते स्वास्थ्य केन्द्रों पर प्रसव की संख्या में बढ़ोत्तरी हुयी है। योजना के सफल संचालन के लिए जनपद के कर्मचारी व अधिकारी जुटे हुए हैं। कार्यक्रम में सुबह से ही आशाओं की भीड़ जुटी हुयी थी। इस दौरान आशाओं द्वारा टीकाकरण, सुरक्षित प्रसव, टीबी, डेंगू, एड्स, लिंग परीक्षण, भ्रूण हत्या आदि की जागरूकता के लिए नाटक व गीतों के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जिलाधिकारी द्वारा सभी 9 विकास खंडों की प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर प्रसव कराने वाली आशाओं को क्रमशः पांच, दो व एक हजार रुपये की धनराशि के चैक प्रदान किए गए। कार्यक्रम में डिप्टी डीपीओ, डा. एसके अग्रवाल, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी वाईके वर्मा जिला परियोजना प्रबंधक संजीव वर्मा, सभी सीएससी तथा पीएससी केन्द्रों के चिकित्साधिकारी स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी व एएनएम तथा आशाएं उपस्थित थीं। संचालन डा. आरपी सिंह ने किया।

**एकीकृत रोग निदान कमेटी का गठन**

मैनपुरी। प्रदेश में बढ़ रहे स्वाइन फ्लू तथा डेंगू रोग के बढ़ते हुए प्रकोप को देखते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा एकीकृत रोग निदान कमेटी का चयन किया गया है। जिसमें एसीएमओ डा. आरसी सक्सेना को नोडल अधिकारी, डा. मनोज राय को कार्यक्रम अधिकारी तथा अम्बरीश यादव को जिला डाटा मैनेजर के रूप में नियुक्त किया है। अम्बरीश यादव ने बताया कि आशाओं को क्षेत्र में किसी प्रकार की बीमारी के प्रसार की सूचना देने पर 100 रुपये की नकद धनराशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि जनपद में किसी भी प्रकार का रोग फैलने पर 05672, 234253, 234251 पर सूचना दी जा सकती है।

---



गांधी भवन में आयोजित आशा सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं बच्चे • हिन्दुस्तान

# सम्मान पाकर जगी 'आशा' की किरण

**सोमवार को आशा सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें कई आशा कार्यकत्रियों को सम्मानित किया गया**

हिन्दुस्तान संवाद

शाहजहाँपुर

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जनपद स्तरीय आशा सम्मेलन सोमवार को गांधीभवन में आयोजित किया गया।

परियोजना अधिकारी परिवार कल्याण डा.अशोक कुमार के निर्देशन में हुए सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री अवधेश वर्मा शामिल रहे। उन्होंने कहा कि आशा परियोजना ग्रामीण स्तर पर सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है, जो समाज में स्वास्थ्य कर्मियों एवं लाभकारियों में तालमेल बैठाकर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक कर रही है। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री वर्मा ने दीप जलाकर किया। पर आशा की भूमिका सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि जच्चा-बच्चा सुरक्षा कार्ड बनवाना बेहद महत्वपूर्ण है।

**दिए गए पुरस्कार भी**

आशाओं का मनोबल बढ़ाने के लिए अतिथियों ने उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया। जमुहो की राम सुखी के टीकाकरण पर सुनाए गए गाने को सुनकर गांधी हाल तालियों से गूंज गया। इसी तरह बंडा की आरती यादव ने बढ़ती आबादी पर नाटक प्रस्तुत कर सबको हैरानी में डाल दिया, और भी कई आशाओं ने अपनी प्रतिभा का यहां प्रदर्शन किया। पुरुष नसबंदी के आधार पर राज्यमंत्री एवं पीडी ने प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र से तीन आशाओं को चिन्हित करके पांच हजार, दो हजार व एक हजार रुपए नकद पुरस्कार और प्रशस्ति प्रदान किए। स्वागत एवं अभिनंदन गीत के माध्यम से विशिष्ट पुरस्कार जिला स्काउट एवं गाइड के बच्चों और गुरुनानक हाईस्कूल के बच्चों को एक हजार व पांच सौ रुपए की धनराशि देकर दिया गया।

आशा सम्मेलन में आशाओं को सम्मानित करते राज्यमंत्री अवधेश वर्मा • हिन्दुस्तान

स्काउट गाइड मास्टर दीपिका कौर व निकहत परवीन, रामकरन के नेतृत्व में बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। गुरुनानक कन्या हाईस्कूल की पुष्पा गौतम एवं कृष्णा मिश्रा को मेमेंटो दिए गए। निगोही की आशा भी सम्मानित की गई।' गांधी भवन में आशाओं को सम्मेलन के नाम पर बुला तो लिया गया। लेकिन उन्हें भूखे ही वापस लौटना पड़ा। शोर शराबा मचाने पर भी किसी ने उनकी नहीं सुनी। उधर, बुलावे के बाद भी सीएमओ डा.आरपी तिवारी सम्मेलन में नहीं पहुँचे। यह भी चर्चा का विषय बना रहा।

---

**आशा सम्मेलन** उत्कृष्ट कार्य करने वाली आशाओं को किया गया सम्मानित.......

# जच्चा-बच्चा सुरक्षा अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी है आशाःसुमन कुशवाहा

ललितपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत आयोजित आशा सम्मेलन में जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड की उत्कृष्ट कार्य करने वाली आशाओं को सम्मानित किया गया तथा कार्यक्रम में उन आशाओं को भी पुरस्कृत किया गया जिन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए समुदाय तक संदेश देने का प्रयास किया। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज ललितपुर के सभागार में कार्यक्रम का आयोजन सदर विधायिका श्रीमती सुमन कुशवाहा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ अध्यक्ष के द्वारा सरस्वती पूजन, दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वन्दना के साथ हुआ। उन्होंने सभी आशाओं के कार्यों की सराहना करते हुए स्वस्थ रखने की जिम्मेदारी का एहसास भी कराया। उन्होंने कहा कि जच्चा-बच्चा सुरक्षा अभियान की आशा एक महत्वपूर्ण कड़ी है। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक श्रीमती फिरदौस सिद्दीकी ने अपने उद्गार में आशाओं के कार्यों को और व्यापकता प्रदान करने पर बल दिया तथा आश्वस्त किया कि हम हमेशा आशाओं का सहयोग करते रहेंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.के. निरंजन ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य उत्कृष्ट आशाओं को सम्मानित करते हुए अन्य आशाओं को भी कार्य की प्रेरणा देना है ताकि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत संचालित गतिविधियों को जन मानस तक ले जाना है। डॉ. निरंजन ने ललितपुर की आबादी के अनुसार आशाओं की संख्या को बढ़ाने पर भी बल दिया। जिला परियोजना अधिकारी परिवार कल्याण डॉ. पी.एल. दशारिया ने ब्लॉक वार आशा प्रगति की समीक्षा की तथा आशाओं के साथ कदम से कदम मिलाते हुए स्वस्थ ललितपुर की परिकल्पना को साकार करने हेतु सभी को आह्वानित किया। डॉ. दशारिया ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली आशाओं की मंच से घोषणा की। उत्कृष्ट कार्य करने वाली आशाओं की अध्यक्षा के कर कमलों द्वारा प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार दिया गया। प्रथम पुरस्कार 5000, द्वितीय पुरस्कार 2000 तथा तृतीय पुरस्कार 1000 का प्रत्येक ब्लॉक की आशा को दिया गया। तालबेहट से श्रीमती नीतू राजा प्रथम, श्रीमती सठमी द्वितीय, ज्योति तिवारी तृतीय, महरौनी से गीता देवी प्रथम, सोना देवी द्वितीय, मीरा देवी तृतीय, मड़ावरा से चम्पा प्रथम, मीरा देवी द्वितीय, पुष्पा तृतीय, बार से रेखा देवी प्रथम, गुड्डी देवी द्वितीय, सरोज तृतीय, बिरधा से जशोदा प्रथम, संतोषी द्वितीय, ज्योति तृतीय, जखौरा से सुखवती प्रथम, गुलाबरानी द्वितीय तथा रामसखी तृतीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों में आशाओं को सम्मानित किया गया। वर्तमान में संचालित जच्चा-बच्चा सुरक्षा अभियान इस कार्यक्रम का अभिन्न अंग रहा। जिस पर सभी वक्ताओं एवं अतिथियों ने अपने विचार रखे। इस कार्यक्रम के विषय में व्यापक रूप से प्रकाश डालते हुए जिला प्रति रक्षण अधिकारी डॉ. जे.एस. बुखारी ने आशाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि इस जच्चा-बच्चा सुरक्षा अभियान की आशा एक महत्वपूर्ण कड़ी है। जिसके कंधों पर प्रत्येक गर्भवती महिला का पंजीकरण, मां की जांच टीका तथा बच्चे का पंजीयन एवं सम्पूर्ण टीकाकरण का भार है। इस कार्य हेतु आशा एवं आंगनबाड़ी को गर्भवती महिलाओं को पंजीयन पर 30-30 रूपये नकद देने का प्राविधान है। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार प्रो. सुरेन्द्र नारायण शर्मा, जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र कुमार, जिला कुष्ठ रोग अधिकारी डॉ. सुग्रीव बाबू, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुधीर कुलश्रेष्ठ, डॉ. डी.सी. दोहरे, डॉ. डी.एस चौधरी, डॉ. समीर, डॉ. एस.बी. दोहरे, डॉ. सुनील अग्रवाल, अजय सागर, गन्धर्व सिंह, शोभेन्द्र श्रीवास्तव, राजाराम, राजकुमार जैन, प्रीतमलाल विश्वकर्मा, प्रमोद शर्मा, धर्मेन्द्र राठौर, गुलाब चन्द्र मौर्य, सीताराम वर्मा, आर.जी. श्रीवास्तव, अजय, सुरेन्द्र कुमार मोर्च आदि उपस्थित रहे।

आशाओं को सम्मानित करते मंत्री अवधेश वर्मा व उपस्थित भीड़

# आशा ग्रामीण स्तर पर महत्वपूर्ण कड़ी : अवधेश

## जनपदस्तरीय आशा दिवस सम्मेलन आयोजित, सर्वश्रेष्ठ आशाओं को मिला नगद पुरस्कार

शाहजहाँपुर 23 अगस्त (सं.)।

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जनपदस्तरीय आशा दिवस सम्मेलन का आयोजन गांधी भवन के प्रेक्षागृह में किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारियों, आशा, एएनएम, ग्राम प्रधानों व प्रभारी चिकित्साधिकारियों के अलावा कई लोगों ने भाग लिया।

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि आशा परियोजना ग्रामीण स्तर पर सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है जो समुदाय में स्वास्थ्यकर्मियों एवं लाभार्थियों के बीच तालमेल बैठाकर स्वास्थ्य के प्रति जन चेतना का सृजन करेगी। इससे पूर्व उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। जिला परियोजना अधिकारी परिवार कल्याण डा. अशोक कुमार ने कहा कि जनपदस्तर पर आयोजित आशा सम्मेलन मुख्यता आशाओं को उनके काम के बारे में जानकारी देना है। आशा की भूमिका को बेहतर एवं प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में एहसास दिलाना है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जेके वर्मा ने आशाओं से अपेक्षा की कि वह अपने-अपने क्षेत्रों में शिक्षामित्र से समन्वय कर जन स्वास्थ्य शिक्षा का प्रचार-प्रसार करें। महिला अधिवक्ता डा.गुप्ता ने आशाओं से कहा कि वह प्रसव पूर्व गर्भवती महिला की तीन जांच, टीटी के दो टीके, आयरन फोलिकएसिड की गोलियां अवश्य दें तथा जननी सुरक्षा योजना का लाभ उठाएं। सम्मेलन की शहिद ने भी सम्बोधित किया। सम्मेलन में आशाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम गीत, संगीत, वाद-विवाद, नुक्कड़ नाटक द्वारा मनोरंजक ज्ञानवर्धक संदेश तथा जानकारी दी। संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, महिला पुरुष नसबंदी के आधार पर प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र से तीन सर्वश्रेष्ठ आशाओं को चिन्हित कर मंत्री व जिला परियोजना अधिकारी ने नगद राशि के रूप में पांच हजार, दो हजार तथा एक हजार की धनराशि के साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। स्वागत एवं अभिनंदन गीत, संगीत के माध्यम से विशिष्ट पुरस्कार के लिए जिला स्काउट एवं गाइड के बच्चों व गुरुनानक हाईस्कूल के बच्चों को एक हजार तथा पांच सौ रुपये की नगद धनराशि, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिसका नेतृत्व स्काउट गाइड मास्टर दर्पिदर कौर, निकहत परवीन, रामकरन ने किया। गुरुनानक हाईस्कूल की कंचन मिश्रा, पुष्पा गौतम को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में रामसेवक प्रथम, आरती यादव द्वितीय, आशा तृतीय स्थान पर रहीं, जिन्हें पुरस्कृत किया गया। सम्मेलन में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा.राजेंद्र कुमार, जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. डा.एसपी कौशल, डा.विजय जौहरी, रीता वर्मा, संगीता सेठ, डा.नरेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे। संचालन राजेश भटनागर ने किया।

# स्वास्थ्य विभाग की नींव हैं आशा

उई, हमारे संवाददाता : आशाएं स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ की हड्डी हैं। जब तक वे अपनी पूरी क्षमता से कार्य नहीं करेंगी तब तक उस क्षेत्र को बेहतर स्वास्थ्य सेवा का लाभ नहीं मिल सकेगा। यह बात सोमवार को राजकीय बालिका इंटर कालेज में आशा सम्मेलन में सीएमओ डा. एके गुप्ता ने कही।

कार्यक्रम निर्धारित समय से तीन घंटे देरी से शुरू हुआ। कार्यक्रम संयोजक जिला परियोजना अधिकारी डा. एलआर अहिरवार के देर से आने पर मुख्य अतिथि के रूप में आये होमगार्ड राज्यमंत्री हरिओम उपाध्याय ने उन्हें फटकार लगाई। सम्मेलन में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आशाओं को सम्मानित किया गया। होमगार्ड राज्यमंत्री ने कहा कि देश में इस समय अगर सबसे बड़ी कोई समस्या उभर रही है तो वह है जनसंख्या की रफ्तार। इसे रोकने के लिये हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं लेकिन जब तक आशा इसमें अपनी भागीदारी नहीं करेंगी तब तक प्रयास सफल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि आशाबहुओं को चाहिये कि वह जनसंख्या पर रोक में अपनी भूमिका का प्रभावशाली ढंग से निर्वाह करते हुये नवविवाहिताओं को मात्र एक संतान के मंत्र के लिये प्रेरित करें। विशिष्ट अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार सिंह ने कहा आशाओं ने कई संराहनीय कार्य किये है लेकिन पुरुषों को नसबंदी ऑपरेशन के लिये प्रेरित करने में आप लोग मात खा गई जो कि एक बड़ी कमी है। जिला परियोजना अधिकारी डा. एलआर अहिरवार ने कहा कि आजके दिन ही आशा परियोजना का सूत्रपात हुआ था, जिसकी वजह से हम 23 अगस्त को आशा दिवस के रूप में मनाते हैं। इस दौरान उन्होंने इस वर्ष आशाओं द्वारा किये गये उल्लेखनीय कार्यों का जिक्र भी किया। कार्यक्रम के तीन घंटे देर से शुरू होने व इसके संयोजक डा. एलआर अहिरवार के देरी से आने पर, होमगार्ड राज्यमंत्री ने उन्हें आड़े हाथों लेते हुये उनकी जमकर क्लास ली। आईदा ऐसी गलती न करने की हिदायत भी दी। सम्मेलन में झांसी मंडल के संयुक्त निदेशक डा. एसके सक्सेना, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. राजेश कुमार अंबष्ट, जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्साधीक्षक डा. आशाराम, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डा. प्रेम प्रताप, उपमुख्य चिकित्साधिकारी डा. देवेंद्र कुमार, आशा मॉनीटरिंग टीम के सदस्य राम शरण जाटव, राजकीय बालिका इंटर कालेज की प्रधानाचार्या कमला गुप्ता आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

• तीन घंटे देरी से शुरू हुआ सम्मेलन

### पुरस्कृत आशाबहुएं

डकार ब्लाक में ग्राम लहरा में तैनात सुषमा को प्रथम, बंगाली की गीता को द्वितीय, मिनौरा कालपी की मंजूलता को तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। नदीगांव में ग्राम सुलखना की अनीता को प्रथम, गोवर्धनपुरा की सरोज को द्वितीय, भगवंतपुरा की उषा को तृतीय, पिंडारी प्रास्वा. में पिसौना की राजकुमारी को प्रथम, जखौली की अर्चना को द्वितीय, धमूरी की किरन को तृतीय, कदौरा ब्लाक में ज्योटरा की शांती प्रथम, बागी की अनुसुइया द्वितीय, उकरुवा की जहीदा बेगम तृतीय, रामपुरा ब्लाक में लिटावली की सुशेता प्रथम, हिम्मतपुरगुढ़ा की सीमा सेंगर द्वितीय, हमीरपुरा की एवरन तृतीय, माधौगढ़ ब्लाक में सिरसा दोगढ़ी की सुनीता प्रथम, विजदुआं की निर्मला द्वितीय, मिझौना की लक्ष्मी तृतीय, छिरिया प्रास्वा. में छिरिया की विजयकुंवर प्रथम, रूरा मल्लू की लता द्वितीय, खुनुआ की अर्चना तृतीय, कुठौंद ब्लाक में नौरेजपुर की विद्या प्रथम, जमलापुर ध्यान की चंद्रकांती द्वितीय व कुठौंद में तैनात परवीनों को तृतीय स्थान और बाबई प्रास्वा. में भगौरा की उषा, पाल की रूपरानी, चुर्खी की सावित्री देवी को तृतीय स्थान के लिये चुना गया। प्रथम स्थान पर आने वाली आशाओं को प्रोत्साहन राशि के रूप में पांच हजार रुपये मिले।

सोमवार को शहर के एक गेस्ट हाउस में आयोजित आशा सम्मेलन में मौजूद जिलाधिकारी, अन्य स्वास्थ्य अधिकारी तथा सम्मेलन में मौजूद आशाएँ

# सम्मेलन में दिया जच्चा बच्चा के टीकाकरण पर जोर

हिन्दुस्तान संवाद

औरैया

शहर के उत्सव गेस्ट हाउस के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत आशा सम्मेलन सम्पन्न हुआ सम्मेलन ने अधिकारियों ने जच्चा बच्चा के टीकाकरण पर विशेष बल दिया। आशाओं को घर-घर जाकर गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण कराने और प्रसववाली महिलाओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुँचाने के निर्देश दिए।

जिला स्तरीय आशा सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी उदय प्रताप सिंह ने कहा कि आशा संस्थानिष्ठा व कर्तव्य पालन करते हुए जननी सुरक्षा के तहत काम करें उन्हें इस काम में चूक नहीं करनी चाहिए। आशाएँ गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण अनिवार्यता से करें और प्रसव के समय उन्हें पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुँचाएं।

स्वास्थ्य विभाग की अपर निदेशक एसके सिंह भदौरिया ने कहा कि सरकार द्वारा चलाया जा रहा जननी सुरक्षा एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है इसमें प्रसूता को 1400 रुपए की चेक दी जाती है। जिससे गरीब परिवारों को आर्थिक मदद मिल सके। उन्होंने आशाओं से जच्चा बच्चा की सुरक्षा का दायित्व जिम्मेदारी से सम्हालने को कहा। जिला परियोजना अधिकारी डा. हलवीर सिंह ने कहा कि प्रसव वाली महिलाओं की विभाग द्वारा वाहन उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने कहा कि आशा गाड़ी से प्रसूता को पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर पहुँचाए और उसकी स्वयं देखभाल करें। सम्मेलन में आशाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए और गीत संगीत प्रस्तुत कर आशा को भाव विभोर कर दिया। इस अवसर पर सीएमओ डा. करन सिंह, जिलाधिकारी रोग अधिकारी डा. बीके मिश्रा, डिप्टी सीएमओ डा. प्रवीण रायजादा, डा. सरजू खान आदि स्वास्थ्य विभाग के लोग मौजूद रहे।

### जानकारी

- आशाएँ प्रसव के लिए महिलाओं को स्वास्थ्य केन्द्र पहुँचाए
- जच्चा को तत्काल दें 1400 रुपए की चेक- अपर निदेशक एसके

# अपने को असुरक्षित महसूस न करें आशा बहुएं

हमीरपुर : आशा सम्मेलन में भाग लेते अधिकारी। फोटो : एसएनबी

• सुरक्षा की जिम्मेदारी प्रशासन की : डीएम

हमीरपुर (एसएनबी)। राजकीय महिला महाविद्यालय हमीरपुर में आयोजित आशा सम्मेलन में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी जी.श्रीनिवास ने कहा कि ग्राम स्तर पर आशा बहू एक महत्वपूर्ण अंग हैं। आशा बहुओं को यह कार्य जिम्मेदारी से निभाना है। वह अपने को असुरक्षित महसूस न करें। सुरक्षा की जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। जिलाधिकारी ने कहा कि आशा बहू गांव में होने वाली विभिन्न बीमारियों जैसे टीबी मलेरिया, कुष्ठ, जच्चा की देखभाल व सरकारी अस्पताल में सेवाएं प्रदान के लिये महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इह जानलेवा बीमारियों से बचाने के लिये टीका लगवाने का काम करती हैं। इसके लिये प्रोत्साहन राशि दी जाती है। आशा बहुओं को यह काम जिम्मेदारी से करना है। महिलाओं की जिम्मेदारी है कि हर घर को साफ रखे और बच्चों को पौष्टिक आहार दें।

सीएमओ डा.एआर सिद्दीकी ने कहा कि आशा सम्मेलन पूरे राष्ट्र में 23 अगस्त को मनाया जाता है। आशा की जिम्मेदारी होती है कि गर्भवती महिलाओं को समय से नजदीक के स्वास्थ्य केन्द्र पर ले जाये यदि कोई असुविधा होती है तो तुरन्त सूचना दें। उन्होंने कहा कि जननी सुरक्षा योजना की चेक प्रसव के बाद लाभार्थी को दिला दे। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा.रामबाबू गौतम ने कहा कि आशाएं गांव में महिलाओं को जागरूक कर उन्हें सुविधाओं के बारे में बताये।

इससे गांव में फैला अंधविश्वास समाप्त होगा। जिला परियोजना अधिकारी डा.ओपी श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर वर्ग के लोगों, महिलाओं और बच्चों को व्यापक स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना है। इस कार्य में ग्राम स्तर पर आशाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लायी जा सकती है। आशाएं मेहनत एवं लगन से अपने गांव को एक स्वस्थ्य एवं खुशहाल गांव बना सकती है। एक स्वस्थ्य मां स्वस्थ्य बच्चा, स्वस्थ्य समाज, अच्छा पोषण, शुद्ध पीने का पानी, स्वच्छ वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण कड़ी है। ऊच्चा काम करने वाली आशा को प्रथम पुरस्कार के रूप में पांच हजार, द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करने वाली दो हजार, तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने वाली आशा को एक हजार, कुल 21 आशाओं को पुरस्कार वितरित किया गया। इस मौके पर डा.आरएस यादव, डा.आरवी गौतम, सुखलाल वर्मा आदि ने आशाओं को स्वास्थ्य कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर जलीश खां, शिवकुमार, श्रवण कुमार जिला प्रशासनिक अधिकारी एवं अन्य लोगों ने सहयोग प्रदान किया।

# सम्मेलन का संक्षिप्त विवरण

| | |
|---|---|
| सम्मेलन में लक्षित प्रतिभागियों की संख्या | 81,687 |
| कुल प्रतिभागियों की संख्या | 65,290 |
| कुल प्रतिभागियों का प्रतिशत | 79.92 |
| कुल पुरस्कृत आशाओं की संख्या ( प्रथम द्वितीय,तृतीय ) | 2,460 |
| जनपदों की संख्या जहाँ आशाओं की उपस्थिति 30 प्रतिशत या उससे कम | 2 |
| जनपदों की संख्या जहाँ आशाओं की उपस्थिति 31 से 60 प्रतिशत के मध्य रही | 12 |
| जनपदों की संख्या जहाँ आशाओं की उपस्थिति 60 से 100 प्रतिशत के मध्य रही | 50 |
| जनपदों की संख्या जहाँ आशाओं की उपस्थिति 100 प्रतिशत से भी अधिक रही | 7 |
| जनपद का नाम जहाँ आशाओं की उपस्थिति का प्रतिशत न्यूनतम रहा | मथुरा |
| जनपदों की संख्या जहाँ राज्य स्तरीय मंत्रियों/लोक सभा सदस्य/ विधायकों द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभागिता रही | 21 |
| जनपदों की संख्या जहाँ आयुक्त की मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभागिता रही | 3 |
| जनपदों की संख्या जहाँ ज़िला पंचायत अध्यक्ष/अध्यक्षा की मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभागिता रही | 19 |
| जनपदों की संख्या जहाँ ज़िला अधिकारियों द्वारा अध्यक्षता की गयी | 49 |
| सम्मेलनों की संख्या जहाँ राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई के अधिकारियों की प्रतिभागिता रही | 8 |
| सम्मेलनों की संख्या जहाँ अपर निदेशक (स्वा0)/ अधिकारियों की प्रतिभागिता रही | 15 |
| सम्मेलनों की संख्या जहाँ आशा मेन्टोरिंग समूह के एन0जी0ओ0 सदस्यों की प्रतिभागिता रही | 46 |
| समाचार पत्रों में | 271 |
| जनपदों की संख्या जहाँ मुख्य विकास अधिकारियों द्वारा अध्यक्षता की गयी | 10 |

(डा0हरिओम दीक्षित)
महाप्रबन्धक, कम्यूनिटी प्रेसिस

(प्रदीप शुक्ला)
प्रमुख सचिव

(साजिद इश्तियाक)
राज्य सुगमकर्ता